शिक्षक पोर्टल एवं नवाचार समूह
मध्यप्रदेश

स्कूल-कॉलेजों के सिलेबस कम करेगी केंद्र सरकार

पढ़ाई के घंटे में भी कटौती करने को लेकर चल रहा है विचार

नई दिल्ली, जेएनएन। देश मे कोरोना वायरस के बढ़ते मामले को देखते हुए सरकार को आने वाले अकादमी साल के लिए सिलेबस और पढ़ाई के घंटे में कटौती करने को लेकर विचार कर रही है। कोरोना महामारी के कारण लॉकडाउन की घोषणा होने के बाद पूरे देश में शैक्षणिक संस्थान बंद हैं और परीक्षाएं आयोजित नहीं हो पाई हैं। केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय ने कुछ दिन पहले कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्रालय, हेल्थ मिनिस्टरी और संबंधित राज्यों की सरकारों से विचार विमर्श करके स्कूल और कॉलेज 15 अगस्त के बाद खोले जा सकते हैं। एचआरडी मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि यह तय किया गया है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्थिति सामान्य होने तक स्कूल नहीं खोले जाएंगे। केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने आज कहा, मौजूदा स्थिति को देखते हुए और शिक्षकों एवं पैरेंट्स के कई अनुरोधों पर विचार करने के बाद हमने आगामी अकादमी वर्ष में सिलेबस और पढ़ाई के घंटों कटौती करने पर विचार कर रहे हैं। एचआडी मंत्रालय ने सोमवार को राज्यों और स्टेकहोल्डर से स्कूलों को खोलने के बारे में चर्चा करनी शुरू की थी। बैठक सेक्रेटरी स्कूल एजुकेशन अनिता करवाल, राज्यों के एजुकेशन सेक्रेटरी ने छात्रों की सेफ्टी आदि पर चर्चा की थी।

स्कूलों का न्यू नॉर्मल • स्कूल खुलने के बाद क्या बदलेगा, इस पर एनसीईआरटी ने केंद्र को गाइडलाइन का ड्राफ्ट सौंपा

बच्चे ऑड-ईवन के आधार पर हफ्ते में 3 दिन स्कूल आएंगे, दो शिफ्टों में भी बुलाए जा सकते हैं; कमरे के बजाए खुले में पढ़ाई हो तो बेहतर

कक्षा के हिसाब से स्कूल पहुंचने के समय में 10-10 मिनट का अंतराल होगा, मॉर्निंग असेंबली नहीं होगी

ड्राफ्ट पर आखिरी फैसला सरकार लेगी

अमित कुमार निरंजन | नई दिल्ली

एनसीईआरटी ने स्कूल खोलने की तैयारियों को लेकर सरकार को गाइडलाइन का ड्राफ्ट सौंप दिया है। ड्राफ्ट के अनुसार, स्कूल खुलने के बाद एक कक्षा के बच्चों को एक साथ स्कूल नहीं बुलाया जाएगा। इसके लिए रोलनंबर के आधार पर ऑड-ईवन फॉर्मूला लागू किया जाएगा या फिर दो शिफ्टों में कक्षाएं लगेंगी। बच्चों के स्कूल पहुंचने के समय में भी कक्षाओं के हिसाब से 10-10 मिनट का अंतराल होगा। ड्राफ्ट में यह भी कहा गया है कि सोशल डिस्टेंसिंग के लिए कक्षाएं खुले मैदान में लगाई जाएं तो बेहतर होगा।

गाइडलाइनः अगर मौसम खराब होने पर कमरे में कक्षा लगानी पड़े तो एयर कंडिशनर बंद रखना होगा, खिड़की-दरवाजे खुले रहेंगे

स्कूल खोलने के 6 चरण...

- **पहला चरण**- 11वीं-12वीं की कक्षाएं शुरू होंगी।
- **1 हफ्ते बाद**- 9वीं-10वीं की कक्षाएं शुरू होंगी।
- **2 हफ्ते बाद**- 6वीं से 8वीं तक कक्षाएं शुरू होंगी
- **3 हफ्ते बाद**- तीसरी से 5वीं तक शुरू होंगी।
- **4 हफ्ते बाद**- पहली-दूसरी की कक्षाएं शुरू होंगी
- **5 हफ्ते बाद**- अभिभावकों की सहमति से ही नर्सरी-केजी की कक्षाएं शुरू की जा सकेंगी।

लेकिन, कंटेनमेंट जोन के स्कूल तब तक बंद ही रहेंगे, जब तक इलाका ग्रीन जोन नहीं बन जाता।

स्कूल : क्लास में बच्चों के बीच 6 फीट की दूरी जरूरी

- क्लास रूम में 30 या 35 बच्चे ही बिठाए जा सकेंगे। छात्रों के बीच 6 फीट की दूरी जरूरी होगी।
- क्लासरूम में एसी नहीं चलेंगे। दरवाजे-खिड़कियां खुली रहेंगी।
- छात्रों को ऑड-ईवन के आधार पर बुलाना होगा। लेकिन, होम असाइनमेंट रोज देना होगा।
- डेस्क पर नाम लिखा होगा, ताकि बच्चे रोज एक ही जगह बैठ सकें।
- हर 15 दिन में बच्चे की प्रोग्रेस पर अभिभावकों से बात करनी होगी।
- प्रबंधन सुनिश्चित करेगा कि कमरे रोज सैनिटाइज हो रहे हैं।
- आयोजन नहीं होंगे। जैसे मॉर्निंग एसेंबली और वार्षिकोत्सव आदि।
- स्कूल के बाहर किसी भी तरह के खाने-पीने के स्टाल नहीं लगेंगे।
- स्टाफ और छात्रों के प्रवेश करने से पहले स्क्रीनिंग अनिवार्य होगी।

बच्चे: कॉपी, पेन, पेंसिल, खाना शेयर नहीं कर सकेंगे

- हर बच्चे के लिए मास्क जरूरी।
- छात्र कॉपी, पेन, पेंसिल, इरेजर आदि शेयर नहीं कर सकेंगे।
- छात्र पानी साथ लाएंगे। खाना किसी से शेयर नहीं कर सकेंगे।
- जो छात्र स्कूल में सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान नहीं रखेंगे, उनके अभिभावकों को सूचित किया जाएगा।

अभिभावक: • जो अभिभावक चिकित्सा, सुरक्षा व सफाई के कामों से जुड़े हैं, उन्हें इसके बारे में स्कूल को पहले ही सूचित करना होगा। • शिक्षकों से वही मिल सकेंगे, जो फोन पर संपर्क नहीं कर सकते। • पीटीएम नहीं होगी, हर 15 दिन में स्कूल से बच्चे की प्रोग्रेस रिपोर्ट पर बात कर सकते हैं।

ट्रांसपोर्ट: ट्रांसपोर्ट को लेकर जल्द ही विस्तृत गाइडलाइन जारी होगी।

हॉस्टल: क्षमता के 33% छात्र हॉस्टल में रहेंगे। बेड 6-6 फीट की दूरी पर लगेंगे।

इनपुट: शरद पाण्डेय

शिक्षकों ने कहा अधिकारियों ने धन पायो करने की बना ली परंपरा

अवकाश आदेश में अचानक संशोधन से शिक्षक समुदाय ने उठाए सवाल

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों के अवकाश अवधि आदेश में अचानक संशोधन करने से राज्य भर के शिक्षक मैदान में आए हैं। आरोप लगाया है कि बगैर सोचे समझे नौसिखिया अधिकारी आदेश जारी कर रहे हैं। इससे आपस में बड़े भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है।

मास्टरों के अनुसार शिक्षा विभाग ने कोरोना वायरस के चलते प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के साथ ही शैक्षणिक संस्थाओं में 30 जून तक छुट्टी घोषित कर दी थी। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने शनिवार 6 जून को लिखित आदेश भी जारी कर दिए थे। आदेश में कहा गया था कि विद्यार्थियों के साथ सभी शिक्षक भी 30 ज्जून अवकाश रहेंगे। आदेश में ऑनलाइन पढ़ाई से लेकर स्कूल की गतिविधियां 23 अप्रैल के आदेश अनुसार संचालित किए जाने की बात भी कही गई थी, लेकिन ठीक 48 घंटे बाद ही सोमवार को 6 जून के आदेश में पैरा 2 को संशोधित करते हुए 8 जून नया संशोधित आदेश जारी किया है जिसके संशोधन में यह अवकाश सिर्फ विद्यार्थियों के लिए घोषित किया है।

आदेश से शिक्षकों में भ्रम की स्थिति

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री सत्यवीर सिंह राठौर का कहना है कि विभाग के अधिकारियों में समन्वय की बड़ी कमी है। आदेश में अचानक हुए संशोधन के बाद स्थिति स्पष्ट ना होने के कारण शिक्षकों में भ्रम की स्थिति निर्मित हो गई है, जाहिर है यदि आदेश में शिक्षकों के अवकाश को विलोपित किया गया है, तो शिक्षकों को निश्चित रूप से उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर हेतु संस्था में उपस्थित होना पड़ेगा। इस भ्रम का असर मंगलवार से प्रारंभ हुई बोर्ड परीक्षाओं पर भी देखा गया। प्रदेश में हजारों ऐसे शिक्षक हैं जिनकी पहले से ही परीक्षा में ड्यूटी लगी हुई थी। अब यह आदेश होने के कारण यह शिक्षक परीक्षा संपन्न कराने के लिए नहीं पहुंचे हैं। कई केंद्रों पर भगवान भरोसे ही परीक्षाएं हुई हैं।

दिग्भ्रमित है शिक्षा विभाग के अधिकारी

वरिष्ठ शिक्षक प्रतिनिधि मुरारी लाल सोनी का आरोप है की स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी स्वयं भ्रमित है। पिछले कुछ वर्षों में देखें तो विभाग द्वारा जारी ऐसा कोई भी आदेश नहीं है जो पूर्णतया स्पष्ट हो, जिसमें संशोधन की आवश्यकता ना पड़ी हो, स्कूल शिक्षा विभाग को इस विषय पर आत्ममंथन करना चाहिए।

अर्जित अवकाश का दावा कमजोर करने की साजिश

समग्र शिक्षक संघ के ग्वालियर चंबल संभाग के संभागीय अध्यक्ष देवेंद्रसिंह तोमर का आरोप है विभाग ने ये संशोधन शिक्षकों के अर्जित अवकाश का दावा कमजोर करने के लिए किया गया है। चूंकि स्कूल शिक्षा और आदिम जाति कल्याण विभाग के शिक्षक पूरे विश्राम अवकाश अवधि में ऑनलाइन शिक्षण सहित निरंतर अन्य कार्यों में ड्यूटी दे रहे है। बावजूद इसके विभाग का शिक्षकों के प्रति रवैया सकारात्मक नहीं है।

पढ़ाई तो नहीं कर पाए, टिक टॉक के आदी बन गए

मध्य स्वदेश ■ होशंगाबाद

लंबे लॉक डाउन से घर में रह रहे बच्चों को ऑन लाइन शिक्षा देने के लिए पालकों ने फोन दिलाया था बच्चा पढ़ाई छोड़ कर उस मोबाइल से सब कुछ सीख गया। बाजार में जितने भी एंड्रॉइड एप आये वह सभी चलना सीख गया। आई डी बनाना, हैक करना, पास वर्ड बदलना कारनामे बच्चे सीख तो गए पर जिनके लिए मोबाइल दिया गया वह वही नही कर पा रहे, बच्चों को शिक्षक की आवाज नही आ रही है तो समझ नही आ रहा है, पर वह एंड्रॉइड फोन के एप अच्छे से चलाना सीख गया। माता पिता गर्व से कहते हमें तो कुछ नही आता पर हमारा बच्चा सब जानता है। यह गर्व की बात है। कुछ कहना उचित नही होगा लेकिन लॉक डाउन ने बच्चों को टिक टॉक बनाना और देखने का आदी जरुर बना दिया, टिक टॉक नाम का एप वर्तमान में खूब प्रचलित हो रहा है, लोग इसे खूब देख भी रहे और बना भी रहे, इसका शौक इतना खतरनाक है कि लोग इसके आदि होते जा रहे है। इसे बड़ी उम्र के लोग तक बहुत पसंद कर रहे है, इनकी लत ने बच्चों को लाइक और डिस लाइक के फेर में उलझा लिया, लोग इसमें वीडियो बनाने वालों को टिक टॉक स्टार कहने लगे है, इस तरह के दर्जनों एप बाजार में आ गए भोले भाले लोगों को जो इसमें उलझा कर मोटी कमाई कर रहे । उन्हें अपने इन एप से कमाई हो रही है, लोग भी लालच में इससे जुड़ते जा रहे है कि उन्हें इससे पैसा मिलेगा, जो इतना आसान नही, उन्हें हजारों लाखों लाइक मिलने के बाद ही कोई कमाई हो सकती जो सोचते हैं अगर पैसे नही मिले तो कम से कम मोहल्ले में तो लोग जानने लगेंगे। टिक टॉक की भूल-भुलैया वाली दुनिया भी बड़ी अजीब है लाइक, फॉलोवर्स, सब्सक्राइब, ये भाषा आजकल युवाओं में प्रचलित है, जो अपने सम्बन्ध की परख उसी से करने लगे है, किसके कितने फॉलोअर है? कितने लाइक मिले? जिसमें आजकल वाइरल शब्द भी खूब प्रचलन में है, जो पहले कभी सुना नहीं था। यह सही है इंटरनेट की दुनिया एक अलग दुनिया है जो समझदार की तो जिंदगी बदलती है और मुर्खों की जिंदगी तबाह कर देती है यह आज चिंतन का विषय बन चुका है, माता पिता बच्चों के भविष्य को लेकर परेशान हैं परन्तु आज का समय उसे जरूरत मानता है। इसे लेकर गंभीर चिंता जरुरी है।

सख्त सुरक्षा उपायों के बीच प्रारंभ हुई 12वीं के शेष प्रश्न पत्रों की परीक्षा

प्रत्येक विद्यार्थी की थर्मल स्क्रीनिंग जिला प्रशासन का अमला दौड़ा केंद्रों पर

शिक्षकों के ग्रीष्म अवकाश अवधि में वृद्धि का परीक्षाओं पर पूरा असर

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

कोरोना जैसी आपदा के बीच माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा मंगलवार से प्रारंभ कराई गई 12वीं के शेष प्रश्न पत्रों की परीक्षा में बच्चों के सुरक्षा उपायों पर विशेष ध्यान दिया गया। परीक्षा केंद्रों पर हर विद्यार्थी की थर्मल स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान जिला प्रशासन ने भी परीक्षाओं पर पूरी बारीकी से निगरानी रखी। राजधानी में दो पाली में प्रारंभ हुई परीक्षा में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा गठित चार टीमें परीक्षा केंद्रों पर पहुंची। इसके अलावा कलेक्टर ने शांतिपूर्ण परीक्षा संपादित कराने पूरा जिम्मा संभाला।

जिला प्रशासन की ओर से अतिरिक्त कलेक्टर आशीष वशिष्ठ कमला नेहरू एवं टीटी नगर के मॉडल स्कूल पहुंचे। यहां पर उन्होंने प्रत्येक कक्ष का निरीक्षण किया। हर बच्चे की थर्मल स्क्रीनिंग के बारे में जानकारी ली। साथ ही निर्देश दिए कि नकल रोकने पर जहां शक्ति से प्रयास हो वही हर बच्चे के पास मास्क हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

जिला पंचायत के सीईओ विकास मिश्रा उत्कृष्ट विद्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने मौके पर बच्चों की थर्मल स्क्रीनिंग का जायजा लिया साथ ही सफाई व्यवस्था की भी जानकारी ली। जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ आरके वर्मा बालक बैरागढ़ स्कूल पहुंची। मौके पर उन्होंने बच्चों से समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

दर्ज संख्या के अनुपात में विद्यार्थियों की बड़ी कमी

राजधानी में 12वीं की शेष परीक्षाओं पर कोरोना का साफ असर देखा गया। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के अनुसार प्रथम पाली में रसायन शास्त्र का पेपर था। दर्ज संख्या के अनुसार 9261 छात्र छात्राओं को परीक्षा में सम्मिलित होना था। लेकिन 6748 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। जबकि द्वितीय पाली में भूगोल का पेपर था। इस शिफ्ट में 1757 छात्रों को शामिल होना था लेकिन 13 सौ 80 छात्र ही उपस्थित हुए। जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना का कहना है कि इनमें 1800 छात्र ऐसे है जो यहां से पलायन कर गए लेकिन दूसरी जगह परीक्षा में बैठे हैं।

दूरी के दायरे से केंद्रों पर कक्षों की रही कमी

माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देश के अनुसार परीक्षाओं में सोशल डिस्टेंशन अहम हिस्सा रखा गया है। राजधानी में खासकर उन प्राइवेट विद्यालयों में सबसे अधिक दिक्कत हुई जहां परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। यहां पर जिस एक कक्ष में 20 विद्यार्थी परीक्षा देते थे उसमें 10 बैठाए गए। इस कारण कई परीक्षा केंद्रों पर जगह की कमी का अभाव रहा है। हालाकि अधिकारियों का कहना है कि परीक्षा आसानी से हुई। हर विद्यार्थी ने सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए परीक्षा दी। इधर यह भी बताना होगा कि मंडल के निर्देश के अनुसार विद्यार्थी एक घंटा पहले परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे थे। जहां उनकी थर्मल स्क्रीनिंग कराई गई। इस दौरान कई केंद्रों पर रोल नंबर तलाशने में विद्यार्थियों को दिक्कतें हुई। अधिकारियों ने दावा किया है कि राजधानी में एक भी नकल का प्रकरण सामने नहीं आया है।

नीट परीक्षा में तीन हजार परीक्षा सेंटर्स बढ़ेंगे

भोपाल। राष्ट्रीय स्तर पर मेडिकल, डेंटल,आयुष कॉलेजों में स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिये राष्ट्रीय परीक्षा नीट .2020 26 जुलाई को होना है। इस वर्ष कोरोना से बचाव के मद्देनजर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय अपनाए जा रहे हैं। सभी विद्यार्थी परीक्षा में भाग ले सकें इसलिए तीन हजार परीक्षा सेंटर्स बढ़ाने का निणर्य लिया गया है। अब 6 हजार परीक्षा सेंटर्स होंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र परीक्षा में शामिल हो सकें। जानकारी के अनुसार पहले यह परीक्षा मध्यप्रदेश सहित राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, बिहार समेत देशभर में कुल 2546 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कराई जानी थी।

इसकी घोषणा एचआरडी मिनिस्टर डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने की है। इस घोषणा का आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने स्वागत करते हुए कहा कि अब लाखों परीक्षार्थी नीट परीक्षा में बैठने से वंचित नहीं होंगे। ज्ञात रहे कि नीट परीक्षा सेंटर्स बढ़ाने के लिये आयुष मेडिकल एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को ज्ञापन प्रेषित किया था।नीट 2020 परीक्षा में 15 लाख चौरासी हजार छात्रों ने आवेदन किया है। एमबीबीएस की 79248 सीटें, एम्स की 1205, बीडीएस की 26949 सीटें, आयुष की 52720 सीटें, जिपमर, पुडुचेरी व कराईकल की 200 सीटों के लिये देशभर के 529 मेडिकल, 313 डेंटल, 15 एम्स, 02 जिपमर, 715 आयुष कॉलेजों में प्रवेश के लिये राष्ट्रीय स्तरीय परीक्षा का आयोजन है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, इंदौर, सागर, मंदसौर, रतलाम समेत प्रदेश में 13 मेडिकल, 15 डेंटल व 41 आयुष कॉलेज संचालित हैं। छात्र नीट की साइट पर जाकर पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

विद्युत कंपनी में आधार बेस्ड बायोमैट्रिक अटेंडेंस प्रणाली शुरू, कर्मचारियों को करना होगा इसका पालन

भोपाल । मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा आधार बेस्ड बायोमैट्रिक अटेंडेंस प्रणाली प्रयास का प्रचालन 10 जून से शुरू करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी उपभोक्ताओं को सही समय पर सेवा उपलब्ध कराने के लिए कार्मिकों की कार्यालय में समय पर मौजूदगी अनिवार्य है। ज्ञात हो कि जिस प्रकार राज्य शासन की पीडीएस दुकानों पर आधार बेस्ड प्रणाली का सुरक्षित उपयोग कर राशन का वितरण किया जा रहा है, उसी प्रक्रिया का पालन करते हुए बिजली कंपनी ने यह निर्णय लिया है कि 10 जून से कंपनी के 8 हजार से अधिक नियमित एवं संविदा तथा आउटसोर्स कार्मिकों को अपनी उपस्थिति बायोमैट्रिक प्रणाली से दर्ज करना अनिवार्य होगा। कंपनी ने इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी कर दिया है। कंपनी ने कहा है कि सभी कर्मचारियों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए उपस्थिति दर्ज करने के पूर्व एवं उपस्थिति दर्ज करने के बाद अपने हाथों को अच्छी तरह से सेनीटाइज करना होगा। सेनीटाइजर का इंतजाम कंपनी ने किया है। कंपनी ने कहा है कि सभी कर्मचारिचों को समय पर उपस्थित होकर बायोमैट्रिक अटेंडेंस प्रणाली प्रयास, पर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी एवं जो कर्मचारी प्रयास, पर अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करेंगे उन्हें गैरहाजिर माना जायेगा।

हायर सेकंडरी की परीक्षा में छात्राओं ने बरती लापरवाही,कोरोना को दिया आमंत्रण

मध्य स्वदेश ■ राजगढ़

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल की हायर सेकेंडरी वार्षिक परीक्षा के शेष बचे विषयों की परीक्षा ब्यावरा ब्लॉक, सहित राजगढ़ जिले में प्रारंभ की गई। परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ब्यावरा और मानस हाई सेकेंडरी स्कूल ब्यावरा परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा हुई। ब्यावरा के परीक्षा केंद्रों पर 1 घंटे पहले ही परीक्षार्थियों को बुलाया गया था परीक्षा केंद्र मै प्रवेश से पहले प्रत्येक विद्यार्थी की और सभी शिक्षकों की स्कैनिंग की गई। परीक्षा कक्ष में 1 विद्यार्थियों को एक बैंच पर ही बिठाया गया। ब्यावरा के मानस हाई सेकेंडरी स्कूल में कुछ लापरवाही या देखने को मिली अपना रोल नंबर देखते समय छात्राओं ने सोशल डिस्टेंस का पालन नहीं किया। परीक्षा समाप्त होने पर छात्राएं एक दूसरे से बिल्कुल पास-पास बात करती नजर आई।

एक छात्रा तो अपनी सहेली से अच्छा पेपर जाने पर खुशी से गले से लिपट गई। इसी स्कूल परिसर में एक छात्रा अपना मास्क जमीन पर फेंक कर चली गई परीक्षा देने वाली कुछ छात्राओं ने बताया कि परीक्षा कक्ष के अंदर छात्राओं ने अपने मार्क्स निकाल कर एक तरफ धर दिए थे। शिक्षकों को बार-बार मास्क लगाने के लिए कहना पड़ा। वही शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पेट्रोल पंप के सामने सभी नियमों का केंद्र अध्यक्ष इन्हें कड़ाई से पालन करवाया माइक के द्वारा सभी जानकारी दी गई। सोशल डिस्टेंस का पालन किया गया विद्यार्थियों के लिए डिटॉल साबून सैनिटाइजर मास्क आदि की व्यवस्था की गई।

प्रत्येक छात्र और शिक्षक की स्क्रीनिंग की गई परीक्षा समाप्ति के उपरांत 5-5 छात्राओं को ही स्कूल से बाहर आने की अनुमति दी गई ताकि भीड़ ना हो सके ब्यावरा ब्लॉक में करीबन 8000 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की बारहवीं की परीक्षा दो पाली में हुई संपन्न

कोरोना का असर : विद्यार्थियों ने बनाई एक दूसरे से दूरी, मास्क-सैनेटाइजर के साथ दी परीक्षा

मध्य स्वदेश ■ बैतूल/सारनी

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा कक्षा 12वीं की परीक्षा लॉकडाउन के कारण रोक दी गयी थी, जिसके बाद कई कड़े नियमो के साथ बचे पेपरों की परीक्षा 9 जून से शुरू हुई, जिसमें रसायन शास्त्र की परीक्षा 9 जून को घोड़ाडोंगरी ब्लॉक अन्तर्गत बने कई सेंटरों पर हुई। इस दौरान देखने मे आया कि बच्चों ने मास्क सहित सैनिटाइजर का उपयोग करते हुए अपनी परीक्षा दी। वही सारनी में जिला प्रशासन द्वारा सेंटर बनाये गए शासकीय कन्या विद्यालय में 70 बच्चो की बैठक व्यवस्था बनाई गयी, जिसमें 10 बच्चे अनुपस्थित रहे। जानकारी देते हुए विद्यालय के शिक्षक सुनील चौधरी ने बताया कि परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों के लिये महत्वपूर्ण निर्देश दिये गए जिसका अति आवश्यक रूप से पालन करने की सभी को सलाह दी गयी। जिसमें सभी बच्चों को कहा गया कि वे हर परीक्षा तारीख को प्रातः 8 तक परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित हों, जिसके बाद रोल नम्बर देखने की सुविधाजनक व्यवस्था है, जिस हेतु भीड़ नहीं लगाना है। विद्यार्थियों को एक दूसरे से 2 मीटर दूर रहकर बात करना है। सभी को आपस में एक दूसरे के नजदीक आने और हाथ मिलाने की आवश्यकता नहीं है। सभी

बॉटल से पानी मुंह लगाकर पियें, परीक्षा केन्द्र में आने से लेकर जाने तक समय मॉस्क लगाकर रखें। इसके साथ ही सभी को सोशल-फिजिकल डिस्टेंस का पूर्णतः पालन करने एवं उत्तर पुस्तिका जमा करने के बाद क्रम से पर्याप्त दूरी अपनाते हुये कक्ष से बाहर निकलने और सीधे घर जाने के दिशा निर्देश दिए गये।

शिक्षक श्री चौधरी ने बताया कि मंगलवार को 2 पाली में विद्यार्थियों की परीक्षा आयोजित हुई। जिसको देखते हुए हमारे द्वारा सभी विद्यार्थियों को बताया कि वे परीक्षा दिवस को घर से स्वल्पाहार करके ही आयें ताकि 12.30 बजे तक भूखे न रह सके।

गंजबासौदा में बिजली कटौती से परीक्षा केन्द्रों पर गर्मी से बेहाल रहे विद्यार्थी

मध्य स्वदेश, गंजबासौदा। कोरोना संक्रमण के कारण सम्पूर्ण देश में लॉकडाउन हो गया जिसके कारण हायर सेकेंडरी स्कूल की वार्षिक परीक्षाओं में शेष रह गये विषयों की परीक्षाएं सोमवार से शुरू हुई। परीक्षा केन्द्रों पर विद्युत मंडल की कटौती के चलते परीक्षार्थियों का बुरा हाल हो गया और उन्हें ऐसी भीषण गर्मी में परीक्षा देने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। गंजबासौदा विद्युत वितरण कंपनी द्वारा परीक्षाओं के समय में 1 दिन पूर्व घोषणा कर अगले दिन सुबह 9 से 11 बजे तक विद्युत प्रदाय बंद कर दिया गया। जिससे परीक्षा कक्ष में परीक्षा दे रहे बारहवीं के विद्यार्थियों का गर्मी के कारण हाल बेहाल हो गया और कोरोना संक्रमण से बचने के लिए विद्यार्थियों ने अपने चेहरे पर मास्क का प्रयोग भी किया था। जिसके कारण उन्हें बेचैनी और घबराहट का सामना भी करना पड़ा। विद्युत कटौती के कारण विद्यार्थियों को मानसिक तनाव के साथ-साथ शारीरिक परेशानियों से भी जूझना पड़ा। इस संदर्भ में जब संबंधित विद्युत मंडल अधिकारी से मामले को जानने का प्रयास किया गया तो उन्होंने कहा कि 22 केव्ही लाइन का मेंटेनेंस करने के कारण विद्युत कटौती की गई थी जिसकी सूचना 1 दिन पूर्व नगर में दे दी गई थी। यह प्रक्रिया जिला और संभाग स्तर पर तय की जाती है, इसमें हमारा कोई भी हस्तक्षेप नहीं रहता है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित वार्षिक परीक्षा का दौर निरंतर 16 जून तक चलेगा। गंजबासौदा उत्कृष्ट विद्यालय के केंद्र पर 4 ऐसे बच्चों ने परीक्षा दी जो लॉक डाउन में नगर में फंसे हुए है और अपने शहर नहीं पहुंच पाए।

इनका कहना है

विद्युत प्रदाय बन्द होने की सूचना एक दिन पूर्व दे दी गई थी इसमें हमारा कोई हस्तक्षेप नहीं रहता। 132 केवी का मामला है ऊपर से हमारे पास खबर आती है वह हम जनता तक पहुंचाते है।

करण सिंह दोहरे, सहायक यंत्री, विद्युत विभाग गंजबासौदा

एक्सीलेंस स्कूल में 38 विद्यार्थियों ने दी केमेस्ट्री की परीक्षा, एक उत्तरपुस्तिका हुई गायब!

लापरवाही बरतने पर एक शिक्षक पर निलंबन की गाज, केन्द्राध्यक्ष बदलकर थमाए नोटिस

अशोकनगर, ब्यूरो।

लॉकडाउन के बाद मंगलवार को हुई कक्षा 12वीं की केमेस्ट्री की परीक्षा में शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। हालांकि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है। बताया गया है कि मंगलवार को सुबह 9 बजे से 12 बजे तक कक्षा 12वीं का केमेस्ट्री का पर्चा था। परीक्षा केन्द्र बनाए गए शहर के पठार मोहल्ला स्थित एक्सीलेंस स्कूल में कुल 38 विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में हिस्सा लिया लेकिन परीक्षा खत्म होने के बाद जब जमा हुई उत्तरपुस्तिकाओं की गिनती की गई तो वह 37 निकलीं। ऐसे में परीक्षा केन्द्र में हड़कंप मच गया, जिस परीक्षार्थी की उत्तरपुस्तिका गायब हुई, उससे संपर्क की कोशिश भी की गई लेकिन बताया गया है कि देर शाम तक उत्तरपुस्तिका जमा नहीं हो पाई थी। हालांकि अब तक जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन शाम होते-होते कलेक्टर डॉ. मंजू शर्मा ने इस लापरवाही की गाज एक शिक्षक पर निलंबन के तौर पर गिराई है। दरअसल, कोविड 19 के चलते लगाए गए लॉकडाउन के बाद उस वक्त चल रहीं परीक्षाओं में से कुछ विषय शेष रह गए थे। जिनकी परीक्षा के लिए जिले में 41 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। इन केन्द्रों पर दर्ज 2 हजार 221 दर्ज परीक्षार्थियों में से 2 हजार 176 प्रथम पाली में रसायन शास्त्र विषय की परीक्षा में उपस्थित हुए। साथ ही 45 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। ईसागढ़ में एक नकल प्रकरण बनाया गया। बताया गया है कि परीक्षाएं दो पालियों में प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक एवं अपराह्न 2 बजे से 5 बजे तक परीक्षाएं हुईं।

परीक्षार्थियों की हुई थर्मल स्क्रीनिंग।

पर्यवेक्षक निलंबित तो बदले केन्द्राध्यक्ष:

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा में शेष बचे हुए विषयों की परीक्षा में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर डॉ.मंजू शर्मा के अनुमोदन पर जिला शिक्षा अधिकारी आदित्य नारायण मिश्रा ने एक्सीलेंस स्कूल अशोकनगर के केन्द्राध्यक्ष लल्लू सिंह रघुवंशी शिक्षक तथा सहायक केन्द्राध्यक्ष महेश प्रसाद भार्गव शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही इनकी जगह शंकर दीक्षित व्याख्याता को केन्द्राध्यक्ष तथा सुभाष मौर्य शिक्षक को सहायक केन्द्राध्यक्ष बनाया गया है। वहीं पर्यवेक्षक बृजेन्द्र सिंह रघुवंशी प्राथमिक विद्यालय बमुरिया फूट को परीक्षा में लापरवाही बरतने पर निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय रहेगा।

परीक्षा केन्द्रों पर की गई थर्मल स्क्रीनिंग:

परीक्षा केन्द्रो पर परीक्षा देने आये विद्यार्थीयों की थर्मल स्क्रीनिंग की गई साथ ही परीक्षा कक्ष में फिजीकल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए बैठक व्यवस्था सुनिश्चित की गई। हर सेंटरों के एंट्री पॉइंट पर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा थर्मल स्क्रीनिंग की गई। साथ ही परीक्षा हॉल में परीक्षार्थियों के मध्य सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखा । साथ ही सभी केंद्रों पर मास्क व सेनेटाइजर की व्यवस्था भी की गई है। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी ने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया।

तापमान ज्यादा आने बैठाया पृथक, सामान्य होने पर साथ में दी परीक्षा:

जिले के नईसराय के एक परीक्षा केन्द्र पर चार परीक्षार्थियों का तापमान ज्यादा निकला। इस पर उन्हें अलग बैठाया गया। हालांकि, कुछ समय बाद छात्र-छात्राओं का तापमान सही आया तो उन्होंने अन्य परीक्षार्थिओं के साथ बैठकर पेपर हल किया। सीएसी राजकुमार रघुवंशी ने बताया कि परीक्षा के लिए हायर सेकंडरी स्कूल में बनाए गए परीक्षा केन्द्र पर 9 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। वहीं बालक येशू कांवेंट स्कूल में 159 परीक्षार्थियों ने रसायन शास्त्र का पेपर हल किया। इस दौरान परीक्षार्थियों का तापमान भी मापा गया। बालक येशू कांवेंट में परीक्षा देने पहुंचे तीन छात्र और एक छात्रा का तापमान ज्यादा पाए जाने पर उन्हें पृथक से बैठाया गया। कुछ समय बाद सामान्य तापमान आने पर उन्हें परीक्षा हॉल में प्रवेश दिया गया। ये छात्र-छात्राएं लंबी दूरी तय कर परीक्षा देने पहुंचे थे। इसलिए उनका तापमान कुछ ज्यादा दर्ज हुआ। हालांकि, केन्द्र पर ऐसे परीक्षार्थियों के लिए आइसोलेशन परीक्षा कक्ष भी बनाया गया है।

आरजीपीवी की परीक्षाएं 15 से

भोपाल, (एजेंसी)। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि (आरजीपीवी) की परीक्षाएं 15 जून से 31 जुलाई तक प्रदेश के विभिन्न इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में होंगी। कोरोना संक्रमण के कारण परीक्षार्थियों को उनके नजदीक के परीक्षा केंद्र में परीक्षा देने की सुविधा दी जाएगी।

यह निर्णय राज्यपाल लालजी टंडन की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में हाल में हुई बैठक में लिया गया था। निर्णय के अनुरूप व्यवस्थाएं की जा रही हैं और परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों पर असुविधा न हो, इसलिए संस्था के शैक्षणिक भवन एवं छात्रावास को क्वारंटाइन सेंटर नहीं बनाने के निर्देश कलेक्टर्स को दिए गए हैं। यह निर्देश भी दिए गए हैं कि यदि पूर्व में किसी केंद्र के भवन में क्वारंटाइन सेंटर बनाया गया हो, तो उसे किसी अन्य सुसंगत भवन में स्थानांतरित कर परीक्षा केंद्र को विधिवत सैनिटाइज करवाने की कार्यवाही की जाए। समस्त कलेक्टर एवं समस्त पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए हैं कि कोविड-19 संक्रमण के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो और विद्यार्थी किसी कारण परीक्षा देने से वंचित न हो जाएं, इसलिए परीक्षार्थियों को विवि द्वारा जारी प्रवेशपत्र को ही आवागमन के लिए मान्य किया जावे। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को स्थानीय शासकीय एवं निजी छात्रावास, होटल में रहने/ रुकने में कोई परेशानी न हो। कोविड-19 के कारण अथवा अन्य अपरिहार्य कारणवश आठवें सेमेस्टर की सैद्धांतिक परीक्षा से वंचित छात्र-छात्राओं के लिए विवि द्वारा द्वितीय चरण में 27 जुलाई से परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

परीक्षाओं में पास की अनिवार्यता समाप्त

-निज प्रतिनिधि-

गुना ।राज्य शासन ने आने वाले समय में आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये किसी भी प्रकार के पास की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। यदि प्रदेश के निवासी अथवा प्रदेश में परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को पास की आवश्यकता है, तो वे ई-पास पोर्टल में आवेदन कर तत्काल पास जनरेट कर सकेंगे।

पहले कराई थर्मल स्क्रीनिंग फिर हल किया पर्चा

परीक्षार्थियों के साथ शिक्षक भी मास्क लगाए रहे।

कोरोना वायरस संक्रमण के बीच शुरू हुईं 12वीं की शेष रहीं परीक्षा

-निज प्रतिनिधि-

गुना। मुंह पर मास्क, साबुन से हाथ धोना और फिर मशीन से टेम्प्रेचर नापने के बाद केन्द्र में प्रवेश करना। यह दृश्य मंगलवार को परीक्षा केन्द्रों पर देखने को मिला। मौका था 12वी परीक्षा का। गौरतलब है कि कोरोना वायरस संक्रमण के बीच शेष रहीं 12वीं की परीक्षा मंगलवार से शुरू हो गई है। इस दौरान संक्रमण रोकने को लेकर केन्द्रों पर अतिरिक्त इंतजाम किए गए थे। मसलन केन्द्र में प्रवेश से पहले परीक्षार्थियों ने थर्मल स्क्रीनिंग कराई। उसके बाद पर्चा हल किया। इस दौरान भी सामाजिक दूरी का पालन कराते हुए प्रत्येक परीक्षार्थी के बीच 3-3 फिट की दूरी रखी गई। परीक्षा दो पाली में आयोजित हो रही है। पहली पाली सुबह 9 बजे से 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक हुई। पहले दिन पहली पाली में गणित का पर्चा और दूसरी पाली में भूगोल का पर्चा परीक्षार्थियों ने हल किया।

62 केन्द्रों पर हुई परीक्षा

हायर सेकेण्डरी की शेष रही परीक्षा के लिए जिले में 62 केन्द्र बनाए गए है। परीक्षा में 13 हजार परीक्षार्थी शामिल हो रहे है। इसके लिए 62 केंद्राध्यक्ष, 62 सहायक केंद्राध्यक्ष और 450 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षा के दौरान कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने के अतिरिक्त इंतजाम देखने को मिले। जिसमें परीक्षा केन्द्र के बाहर ही परीक्षार्थी का तापमान मापा गया। जिनका तापमान सामान्य रहा, उन्हें केन्द्र में प्रवेश दिया गया और जिनका तापमान अधिक रहा। उन्हें अलग कक्ष में बैठाया गया। पहले दिन ऐसा कोई परीक्षार्थी नहीं मिला। जिसमें कोरोना वायरस से संबंधित लक्षण देखने को मिले हो। इसके साथ ही मास्क पहने परीक्षार्थियों को ही कक्ष में प्रवेश दिया गया।

प्रेक्टिकल परीक्षाएं छुट्टियों के दिनों में हो सकती है

हायरसेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा के बीच स्वाध्यायी (प्राइवेट) परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं आवंटित परीक्षा केंद्र में ही आयोजित की जाएंगी। प्रेक्टिकल परीक्षाओं की तारीख और समय के लिए परीक्षार्थी अपने प्राचार्य, केंद्र अध्यक्ष से भी संपर्क कर सकते हैं। एमपी बोर्ड ने अपने निर्देश में कहा है कि अगर जरूरत हुई तो प्रेक्टिकल परीक्षाएं छुट्टियों के दिनों में भी आयोजित की जा सकती है।

परीक्षा देने के लिए परीक्षार्थियों को यह करना पड़ा

-परीक्षा केंद्र पर एक घंटा पहले पहुंचे।

-अपनी पानी की बॉटल साथ लेकर आएं।

-मास्क लगा कर ही परीक्षा केंद्र पर पहुंचे।

-अपने साथ सेनेटाइजर की बोतल भी लेकर आए।

परीक्षार्थियों का टेम्प्रेचर परिसर के बाहर ही मापा गया।

बाहर के परीक्षार्थियों ने भी दी परीक्षा

लॉकडाउन या अन्य कारणों से कई परीक्षार्थी अपने निवास के वर्तमान स्थान से अन्य स्थानों पर फंसे हुए हैं। लॉकडाउन खुलने के बाद भी अभी पर्याप्त वाहन सुविधा शुरू नहीं हुई है। ऐसे में उनका अपने जिले पर पहुंचना मुश्किल है। ऐसे परीक्षार्थी परीक्षा से वंचित न हो, इस उद्देश्य से मंडल ने निर्णय लिया है कि विस्थापित परीक्षार्थी विशेष परिस्थितियों में वर्तमान में जिस भी जिले में निवासरत है, वहीं से परीक्षा में शामिल हो सके। गुना में इंदौर, भोपाल और ग्वालियर आदि जगह के 110 बच्चे फंसे है, उनकी परीक्षा में गुना में ही करवाई गई। इसके साथ ही गुना और राघौगढ़ के कंटेन्टमेंट क्षेत्र के परीक्षार्थियों को परीक्षा देने हेतु आने-जाने के लिए पास जारी किए गए थे।

परीक्षार्थियों की थर्मल स्क्रीनिंग उत्कृष्ट स्कूल में, उमड़ी भीड़

सिरोंज। एमपी बोर्ड की हायर सैकेण्डरी की कक्षा 12 वी की परीक्षा का करीब दो माह बाद शेष प्रश्नपत्रों की परीक्षा का मंगलवार को क्षेत्र के नौ परीक्षा केन्द्रों पर शुभारंभ हुआ परीक्षा 16 जून तक शेष प्रश्नपत्रो की होगी। देखने मे आया कि उत्कृष्ट स्कूल मे सुबह के समय उमड़ी भीड़ के कारण केन्द्र के प्रांगण मे सोशल डिस्टेंस का पूर्णत पालन होता हुआ नही दिखायी दिया। सोशल डिस्टेंस के तहत परीक्षा कक्षों मे परीक्षार्थियों को दूर-दूर बैठाया गया था। परीक्षा केन्द्रों पर देखने मे आया कि बोर्ड के निर्देशानुसार परीक्षा दो पालियो मे शुरू हुयी जिसमें प्रथम पाली सुबह नौ बजे से 12 बजे और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम पॉच बजे तक हुयी। मिली जानकारी अनुसार नगरीय क्षेत्र के 6 परीक्षा केन्द्रों एवं ग्रामीण क्षेत्र के 3 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा करायी गयी। उत्कृष्ट स्कूल के कंट्रोल रूम से मिली जानकारी अनुसार प्रथम पाली मे रसायन विज्ञान के प्रश्नपत्र की परीक्षा हुयी जिसमे 523 दर्ज परीक्षार्थियो मे से 50 उपस्थित हुऐ एवं 23 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली मे भूगोल विषय मे 1109 दर्ज परीक्षार्थियो मे से 1051 उपस्थित एवं 58 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। परीक्षा देने के बाहर निकले परीक्षार्थियों के चेहरो पर प्रश्नपत्र सरल होने के कारण खुशी दिखायी दी। देखने मे आया कि निर्देशानुसार कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थी एक घंटे पूर्व पहुंचे और प्रत्येक केन्द्र पर स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों की टीम द्वारा प्रत्येक परीक्षार्थी की थर्मल स्क्रीनिंग कि गयी उसके साथ ही साबुन और सेनेटाईजर से हाथ धुलवाये गये और मॉस्क पहने हुऐ परीक्षार्थियो को ही कक्षों मे प्रवेश दिया गया। साथ ही प्रत्येक परीक्षार्थी को 6-6 फिट की दूरी पर बिठाया जिससे 30 परीक्षार्थी अधिकतम एक कक्ष मे बैठाये गये। कन्या हासे स्कूल के केन्द्राध्यक्ष आरसी जैन ने बताया कि नपा से परीक्षा केन्द्र को परीक्षा के पूर्व मे सेनेटाईजर करवाया गया।

12वीं के 1267 परीक्षार्थियों में से 1232 ने हल किया रसायन और भूगोल का पर्चा

रसायन के 33 और भूगोल विषय की परीक्षा से अनुपस्थित रहे तीन परीक्षार्थी, दो पालियों में संपन्न कराई गई परीक्षा

श्योपुर, ब्यूरो

लॉकडाउन के कारण लंबित चल रही माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के तहत मंगलवार 9 जून को कक्षा 12वीं के रसायन और भूगोल विषय का पर्चा हल कराया गया। दो पालियों में आयोजित हुई परीक्षा के दौरान रसायन एवं भूगोल के 1267 परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल होना था, जिनमें से 1232 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। जबकि 36 परीक्षार्थी किन्हीं कारणों के चलते परीक्षा में शामिल नहीं हो सकें।

मंगलवार को माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल की 12वीं बोर्ड परीक्षा की रसायन शास्त्र एवं भूगोल विषय की दो पालियों के अंतर्गत

परीक्षा केन्द्रों पर छात्र-छात्राओं की स्क्रीनिंग कराते हुए डीईओ।

परीक्षा आयोजित कराई गई। 12वीं बोर्ड रसायन शास्त्र विषय की परीक्षा 25 परीक्षा केन्द्रों पर प्रथम पाली के अंतर्गत प्रातः 09 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की गई। इस परीक्षा में कुल 1166 छात्रों में से 1133 छात्रों ने परीक्षा दी। इस विषय में 33 छात्र अनुपस्थित रहें। इसी प्रकार भूगोल विषय की परीक्षा द्वितीय पाली में दोपहर 02 बजे से सायं 05 बजे तक 13 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्वक संपन्न हुई। इस परीक्षा के दौरान 99 परीक्षार्थी एवं 02 बाहरी परीक्षार्थी कुल 101 परीक्षार्थियों में से 98 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। जिसमें 03 छात्र अनुपस्थित रहें।

छात्र-छात्राओं की स्क्रीनिंग के बाद दिया प्रवेश

मंगलवार को परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों की थर्मल स्क्रीनिंग कराई गई। जिला शिक्षा अधिकारी बीएस रावत ने दोनों पालियों में परीक्षार्थियों को मास्क पहनकर परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश दिलाया। साथ ही थर्मल स्क्रीनिंग कराते हुए उनके हाथ धुलाए गए।

हायर सेकेण्डरी की परीक्षा में एक हजार से अधिक छात्र रहे अनुपस्थित

कई छात्रों का तापमान अधिक पाए जाने पर उन्हें अलग बैठाया

मुरैना, ब्यूरो

मुरैना में हायर सेकेण्डरी की शेष परीक्षाएं मंगलवार से प्रारंभ हो गई। मंगलवार को रसायन शास्त्र के प्रश्न पत्र में 13 हजार 837 छात्रों में से 12 हजार 769 छात्र उपस्थित हुए। 01 हजार 68 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। जबकि 06 छात्र नकल करते हुए पाए गए, उनके नकल प्रकरण दर्ज किए गए।

द्वितीय पाली में 566 में से 524 परीक्षार्थी उपस्थित थे, जबकि 41 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केन्द्रों पर कोविड-19 के बचने के लिये छात्रों की थर्मल स्क्रीनिंग की गई। बताया जाता है कि इस दौरान कुछ छात्रों का तापमान बढ़ा हुआ पाया गया। ऐसे छात्रों को एहतियातन परीक्षा कक्ष में पृथक से बैठाया गया। इतना ही नहीं संबंधित छात्रों से कोरंटाइन में रहने की समझाइश भी दी गई।

परीक्षा केन्द्र पर प्रश्न पत्र हल करते छात्र

हायर सेकेण्डरी परीक्षा में आठ सौ से अधिक परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

भिण्ड। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी की रसायन विज्ञान विषय की परीक्षा मंगलवार को सभी 58 परीक्षा केन्द्रों पर शांति पूर्ण माहौल मे संपन्न हुई। जिला शिक्षा अधिकारी के अनुसार आज सभी 58 परीक्षा केन्द्रों में कुल दर्ज 13482 छात्रों में से 12674 छात्र सम्मिलित हुए, जबकि 808 छात्र अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान जैन उमावि भिंड में एक नकल प्रकरण भी बनाया गया। संबंधित छात्र के विरुद्ध परीक्षा अधिनियम अंतर्गत कार्यवाही की गई है। बुधवार 10 जून को विषय बुक कीपिंग, काउंटेंसी का पेपर है, जिसके संबंध में समस्त तैयारी पूर्ण कर ली गई है। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र को सैनिटाइज कराने सहित अन्य समस्त व्यवस्थाएं कर ली गई है। समस्त केन्द्राध्यक्षों को समय से समस्त परीक्षा संबंधी कार्यवाही करने पूर्ण करने के लिए निर्देशित कर दिया गया है।

कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई 12वीं की परीक्षा, जिनका तापमान बढ़ा उन्हें अलग बैठाया गया

स्क्रीनिंग, सेनेटाइज के बाद प्रवेश, तीन गज दूरी पर बैठे परीक्षार्थी

ग्वालियर, न.सं.

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा मंगलवार को हायर सेकेण्डरी में रसायन शास्त्र की परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों को कड़ी सुरक्षा के बीच से गुजरना पड़ा।

जहां पहले परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों की नकल आदि की जांच की जाती थी, वहीं इस बार इनके शारीरिक तापमान (थर्मल स्क्रीनिंग) की जांच की गई। साथ ही हाथों को सेनेटाइज करवाया गया और जिनके चेहरे पर मास्क लगे थे, उन्हें प्रवेश दिया गया। जिन परीक्षार्थियों का तापमान अधिक बढ़ा हुआ था उन्हें दूसरे कमरे में बैठाया गया। परीक्षा के पहले दिन ग्वालियर में कोई भी नकल प्रकरण नहीं बना है।

गोले में खड़े छात्र, प्रकोष्ठ में छात्रा की स्क्रीनिंग करते शिक्षक।

उल्लेखनीय है कि मार्च माह में लॉकडाउन लगने के कारण हायर सेकेण्ड्री की कुछ परीक्षाओं को स्थगित कर दिया था। शासन के आदेशानुसार यह परीक्षाएं मंगलवार से पुनः शुरू हुईं। यह परीक्षा शहर में बने 99 परीक्षा केन्द्रों पर हुई। परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू होकर दोपहर 12 बजे संपन्न हुई और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होकर सायं 5 बजे तक चली। परीक्षार्थियों को दूर-दूर बैठाकर परीक्षा दिलवाई गई। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी सेंटरों पर पहुँची और परीक्षार्थियों के तापमान की जांच की। थर्मल स्क्रीनिंग के दौरान जिन परीक्षार्थियों को तापमान अधिक निकल रहा था, पहले उन्हें अलग खड़ा कर दिया गया। इसके बाद पुनः उनकी थर्मल स्क्रीनिंग की गई। जब तापमान सामान्य नहीं हुआ तो उन्हें आइसोलेशन कक्ष में बैठाकर परीक्षा दिलवाई गई। आइसोलेशन क्लास सभी केन्द्रों पर बनाई गई थी। कुछ परीक्षा केन्द्रों पर शिक्षकों ने परीक्षार्थी परीक्षा हॉल में नकल न ले जाएं, इस दृष्टि से हाथों में दस्ताने पहनकर जांच की।

340 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे

मंगलवार को हुई परीक्षा में 10,254 परीक्षार्थी में से 9804 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। जबकि 340 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं अंचल की बात करें तो यहां 52,188 में से 49,462 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 2604 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस दौरान मुरैना में 6, भिण्ड में 1 और अशोकनगर में 1 नकल प्रकरण बना। ग्वालियर में एक भी नकल प्रकरण नहीं बना।

बिजली जाने से परीक्षार्थी हुए परेशान

विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने तय टाइम टेबल के अनुसार शहर के कई क्षेत्रों में सुबह 7 से दोपहर 12 बजे तक विद्युत कटौती की गई, जिससे शहर में पड़ रही भीषण गर्मी से कई परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थी परेशान होते रहे और जैसे-तैसे परीक्षा दी।

संदर्भ कोरोना के बाद ऑनलाइन एजुकेशन की तरफ टीचर्स से पैरेंट्स तक, सभी ने ज्यादा ध्यान देना शुरू किया है

बिग डेटा बताएगा किस बच्चे को कैसे पढ़ाया जाए

बायजू रवींद्रन

लर्निंग एप Byju's के संस्थापक और सीईओ

कोविड-19 के इस संकट भरे दौर में शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आया है। यूनेस्को के अनुसार लॉकडाउन में शैक्षणिक संस्थाएं बंद कर देने से दुनिया भर के 90% छात्रों की शिक्षा प्रभावित हुई। ऐसे में ऑनलाइन एजुकेशन की महत्ता सामने आई है। हालांकि स्टूडेंट्स हमेशा से ही ऑनलाइन लर्निंग के तरीकों को अपनाने के लिए तैयार रहते थे, लेकिन अब पैरेंट्स की सोच में महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। बच्चों के डिजिटल स्क्रीन पर पढ़ाई को लेकर चिंतित अभिभावक अब इसके फायदे देख रहे हैं। सिर्फ पैरेंट्स ही नहीं, टीचर्स का भी ऑनलाइन लर्निंग के प्रति झुकाव बढ़ा है। स्मार्ट डिवाइस और इंटरनेट की आसान पहुंच के चलते ऑनलाइन लर्निंग पढ़ाई की मुख्यधारा में शामिल हो गई है।

भारत में दुनिया का सबसे बड़ा के-12 एजुकेशन सिस्टम (किंडरगार्डन और 12 साल बेसिक एजुकेशन) है, लेकिन यह स्टूडेंट्स में परीक्षाओं का डर भरता है और सभी को एक ही तराजू में तौलता है। मौजूदा परिस्थितियों में यह सुखद बात है कि पूरा एजुकेशन सेक्टर ही ऑनलाइन की तरफ देख रहा है। कई शिक्षण संस्थाएं ऑफलाइन से ऑनलाइन टीचिंग को तवज्जो दे रही हैं। हालांकि ये बदलाव समय की जरूरत के कारण किए गए हैं, ऐसे में शिक्षण संस्थाओं ने सिर्फ डिलीवरी मॉडल को ऑफलाइन से ऑनलाइन किया है। लेकिन स्टूडेंट्स को इसमें सीखने के लिए स्तरीय चीजें नहीं मिल पा रही हैं। आप एक पारंपरिक क्लासरूम को देखिए, जहां बीच में एक टीचर मुख्य किरदार होता है और स्टूडेंट्स ग्रुप में पढ़ रहे होते हैं। वहीं ऑनलाइन लर्निंग अगर सही तरीके से की जाए, तो टीचिंग का यह मॉडल बिल्कुल उल्टा हो जाता है, यहां स्टूडेंट्स सेंटर में आ जाते हैं।

कोरोना के कारण यह चर्चा बढ़ गई है, लेकिन तकनीक आधारित शिक्षा ही अब हमारी एजुकेशन का भविष्य है। यह वर्ल्ड क्लास टीचर्स, वीडियो लेसन, इंटरेक्टिव गेम्स को खास अंदाज में पिरोकर छात्रों के लिए जिंदगीभर ना भूलने वाले अनुभव बना देती है। ऑनलाइन लर्निंग में कठिन से कठिन कॉन्सेप्ट्स, विज्ञान की जटिल व्याख्याओं को जिंदगी के अनुभवों से जोड़कर बताने से ये कॉन्सेप्ट्स छात्र अच्छी तरह समझ जाते हैं। तकनीक के सहारे स्टूडेंट्स कठिन माने जाने वाले कॉन्सेप्ट को आसपास की चीजों से जोड़ते हैं, उन्हें विजुलाइज करते हैं। आइए, कुछ और चीजें देखते हैं कि कैसे तकनीक ने टीचिंग की दुनिया को आसान बनाया है।

अध्ययन कहते हैं कि बच्चे सीखने के लिए अपनी इंद्रियों का इस्तेमाल करते हैं, इसमें 75% भूमिका हमारी देखने की क्षमता की होती है। स्कूल जाने से बहुत पहले बच्चे सिर्फ देखकर ही चीजें सीख जाते हैं। डिजिटल माध्यम बस यही सुविधा प्रदान कर रहे हैं, जहां छात्र इन कॉन्सेप्ट को देखकर इसे विजुलाइज कर रहे हैं और इन्हें आसपास की चीजों से जोड़कर कॉन्सेप्ट्स से दोस्ती बढ़ा रहे हैं। एक अच्छे वीडियो कंटेंट की ताकत यही है कि बच्चों को यह लर्निंग सिर्फ एग्जाम तक नहीं, बल्कि जीवनभर याद रहे।

लर्निंग अब बदल रही है

कोरोना का समय एजुकेशन के लिए बदलाव का दौर है। अब तकनीक की मदद से हम कई स्टूडेंट पर एक टीचर की व्यवस्था से आगे जाकर वन ऑन वन लर्निंग की ओर बढ़ रहे हैं।

तकनीक और अच्छे टीचर्स की मदद से कठिन से कठिन लगने वाले कॉन्सेप्ट्स छात्रों को आसान और प्रभावी तरीके से समझ आते हैं। यहां तक कि ऑनलाइन लर्निंग में छात्रों को इंगेज रखने में टीचर की भूमिका बढ़ जाती है। जरूरत ऐसे टीचर्स की है जो कॉन्सेप्ट्स को फनी और आसान से अंदाज में समझा दें, स्टूडेंट्स भी टीचर के उदाहरणों के साथ खुद को जोड़ पाएं।

टीचिंग में तकनीक की मदद से देश के किसी भी कोने में रहने वाले बेस्ट टीचर की क्लास अटेंड करने का मौका मिलता है। हर छात्र की सीखने की क्षमता और तरीका अलग होता है, ऐसे में तकनीक की मदद से हरेक छात्र की जरूरतों को देखते हुए अलग और बिल्कुल विशेष छात्र के हिसाब से लर्निंग का अनुभव दिया जा सकता है। पर्सनलाइज्ड लर्निंग में बिग डाटा एनालिसिस बड़ा रोल प्ले कर सकता है। हर स्टूडेंट्स की जरूरतों को देखकर टीचर अपना पढ़ाने का तरीका उस हिसाब से बदल सकते हैं।

गेम डिजाइन के नियमों में इंसान के मनोविज्ञान, उसके व्यवहार और कुछ प्रतिक्रियाओं का ख्याल रखा जाता है। इसी तरह ऑनलाइन लर्निंग में गेमिफिकेशन यानी किसी कॉन्सेप्ट को खेल जैसा बनाने से स्टूडेंट्स उसमें ज्यादा रुचि दिखाते हैं। इससे उनकी सीखने की क्षमता एकतरफा न होकर इंटरेक्टिव होती है। इससे उनके ध्यान देने का समय (अटेंशन स्पान) भी बढ़ता है और चीजें ताउम्र याद रहती हैं।

हर चुनौती एक अवसर देती है। कोरोना का यह कठिन दौर एजुकेशन के लिए बदलाव का दौर है। जहां हम शिक्षा के इस ऑनलाइन तरीके (ऑनलाइन लर्निंग, इंटरेक्शन आदि) को बढ़ते हुए देख रहे हैं। नई जेनरेशन के लिए डिजिटल स्क्रीन ही अब उनका दुनिया से वास्ता करा रही हैं। इससे लर्निंग के इस नए मॉडल के इस्तेमाल में बढ़ोतरी होगी। हम देखेंगे कि क्लासरूम सेटिंग में भी तकनीक आधारित शिक्षा का ही महत्व बढ़ेगा। मौजूदा दौर की व्यवस्था, जिसमें एक टीचर कई स्टूडेंट्स को पढ़ाता है से आगे बढ़कर हम वन ऑन वन लर्निंग की तरफ बढ़ रहे हैं। जहां हरेक स्टूडेंट का अपना सीखने का अनुभव होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कोरोना एलर्ट के बीच पहले दिन 25123 विद्यार्थियों ने दिए पेपर

परीक्षा के पहले थर्मल स्कैनर से टेम्परेचर देखा, हाथों को कराया सैनिटाइज

नगर संवाददाता | रीवा

कोरोना संक्रमण से पूरी सावधानी के बीच मंगलवार को बारहवीं के शेष विषयों के पेपर शुरु हो गए। माध्यमिक शिक्षा मंडल की इस परीक्षा में शामिल प्रत्येक विद्यार्थी की थर्मल स्क्रीनिंग कराई गई। यह भी देखा गया कि कोई भी विद्यार्थी बिना मॉस्क के परीक्षा में शामिल न होने पाए। पहली पाली में रसायन शास्त्र का पेपर हुआ, तो वहीं दूसरी पाली में भूगोल के विद्यार्थी शामिल हुए। गौरतलब है कि यह परीक्षा 16 जून तक चलेगी। रसायन शास्त्र के पेपर में पंजीकृत 12926 में से 12598 शामिल हुए। इस तरह 328 गैर हाजिर रहे हैं। नकल प्रकरण एक भी तैयार नहीं हुए। वहीं भूगोल के पेपर में पंजीकृत 12 हजार 856 परीक्षार्थियों में से 12 हजार 536 शामिल हुए। इस पेपर में 320 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे हैं। पहले दिन के दोनों पेपर में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की संख्या 25 हजार 134 रही।

गर्मी से हुए बेहाल

जिले में रसायन शास्त्र के पेपर के लिए 98 और भूगोल के लिए 93 केन्द्र रहे। कई केन्द्रों में गर्मी को लेकर आवश्यक इंतजाम न होने से परीक्षार्थी परेशान हुए। ग्रामीण क्षेत्र के कई केन्द्रों में बिजली नहीं रही। गर्मी को देखते हुए बिजली और पंखे की व्यवस्था न होने से परीक्षार्थी पसीना से तर-बतर हुए। दूसरी पाली यानी दोपहर दो बजे से होने वाले पेपर में ज्यादा परेशानी सामने आई।

टेम्परेचर ज्यादा आया

कोरोना को लेकर परीक्षा केन्द्रों में आवश्यक सतर्कता बरती गई। सभी केन्द्रों में थर्मल स्कैनर खरीदे गए थे। प्रत्येक केन्द्र में स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे। जिनके द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी की थर्मल स्क्रीनिंग करने के साथ ही हाथों को सेनिटाइज कराया। जिन विद्यार्थियों का टम्प्रेचर ज्यादा आया, उन्हें अलग बैठाने की व्यवस्था की गई। मार्तण्ड क्रमांक-एक में भूगोल का पेपर देने आई एक छात्रा का टम्प्रेचर ज्यादा निकला।

बेंच छोटी होने से हुए परेशान

इस पेपर में चार नए केन्द्र बनाए गए। नए केन्द्रों में विशेष निगरानी रही। सेन्ट्रल एकेडमी के एक कमरे में विद्यार्थियों ने परेशानी महसूस की। विद्यार्थियों का कहना था कि जो बेंच रखी गई, वह छोटी रही। इस वजह से बैठने में काफी परेशानी हुई है।

पहली पाली में यहां पहुंचे अधिकारी

पहली पाली के पेपर में जिला शिक्षा अधिकारी आरएन पटेल के पैनल ने शाउमावि बालक एवं कन्या लालगांव, शासकीय हाईस्कूल जमुई और शाउमावि बालक त्योंथर केन्द्र का निरीक्षण किया। जबकि दूसरे पैनल ने शाउमावि लक्ष्मणपुर, शाउमावि सिलपरा और शाउमावि बालक गोविन्दगढ़ का अवलोकन किया। तीसरे पैनल ने उमादत्त उमावि डेकहा, शाउमावि एसके एवं सेन्ट्रल एकेडमी का निरीक्षण किया।

सोशल मीडिया में घूमता रहा पेपर

मंगलवार की सुबह से केमेस्ट्री का पेपर सोशल मीडिया में घूमने लगा। जिस पर तमाम विद्यार्थियों ने परीक्षा केन्द्र पहुंचने पर यह सवाल किया कि पेपर तो आउट हो गया है। लेकिन केन्द्राध्यक्षों ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है। पेपर में शामिल हों। गौरतलब है कि सोमवार को इंदौर में यह पेपर वायरल हुआ था। जिस पर एक छात्र ने डॉयल 100 को सूचना दी थी। जिसके बाद इंदौर प्रशासन हरकत में आ गया था। यही पेपर मंगलवार की सुबह से यहां भी घूमता रहा।

मंडल की जांच में निकला फर्जी

सोमवार से वायरल हुए इस पेपर की माध्यमिक शिक्षा मंडल ने तत्काल ही जांच कराई थी, जिसमें ये पेपर फर्जी निकला। मंडल ने यह पाया कि वर्ष 2019 के सप्लीमेंट्री पेपर को एडिट कर इसे वायरल किया गया है। उधर इस तरह पेपर को वायरल किए जाने एफआईआर भी हुई है।

शिक्षक का पूरा जीवन एक पाठशाला है: त्रिपाठी

वसवाहा जनशिक्षा केन्द्र के शिक्षकों व पालकों की वीसी आयोजित

भाण्डेर निप्र

मनुष्य अपनी जीवन यात्रा में लंबा समय पढ़ाई में व्यतीत करता है। विद्यार्थी व्यावसायिक शिक्षा से डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, शिक्षक तो बनते हैं, लेकिन इस दौरान एक बेहतर इंसान बनाने की प्रक्रिया नहीं सिखाई जाती है। यही वजह है कि आज समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है और चारों तरफ व्यावसायिक मानसिकता हावी हो रही है। यह विचार दतिया विकासखण्ड के आदर्श जनशिक्षा केन्द्र के जनशिक्षक प्रदीप त्रिपाठी ने शिक्षकों व पालकों के लिए आयोजित वीसी में व्यक्त किए।

उन्होंने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक का तो पूरा जीवन ही एक पाठशाला है। समाज का हर व्यक्ति हमारे कार्य, व्यवहार, आचरण पर नजर रखता है और उसे अंगीकार भी करता है। आज हम पर लॉकडाउन की वजह से कार्य का भार ज्यादा है, लेकिन हमें इसे अग्नि परीक्षा के तौर पर चुनौती के रूप में उत्साह के साथ स्वीकार करना है। जिला प्रतियोगिता प्रभारी महेन्द्र शर्मा ने कहा कि लॉकडाउन में हुए पढ़ाई के नुकसान की भरपाई के लिए डिजिलेप एक अच्छा विकल्प है। साथ ही प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों सहित उनके पूरे परिवार को प्रोत्साहित करने, निराशा से उबारने, कोरोना के भय को दूर करने का स्कूल शिक्षा विभाग एक प्रयास है। दोनों ही कार्यक्रमों को सफलता पूर्वक संचालित करने में सर्वोत्तम प्रयास के साथ डीपीसी अशोक त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में जिला प्रथम स्थान पर है। इस दौरान दतिया बीआरसीसी राजेश शुक्ला ने सभी शिक्षकों से प्रतिदिन शिक्षक समर्थन फार्म व फीडबैक फार्म भरने की अपील की। कार्यक्रम में बीएसी आलोक गोस्वामी सहित वसवाहा जनशिक्षा केन्द्र के समस्त प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक मौजूद थे।

संयुक्त संचालक शिक्षा ने किया बोर्ड परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

सतना। संयुक्त संचालक रीवा अंजनी कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या धवारी में हायर सेकेण्डरी के शेष विषयों की चल रही परीक्षाओं को लेकर के बनाये गये परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासन द्वारा परीक्षा केंद्र पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने सभी शिक्षकों को मास्क लगाकर हाथों में दस्ताने पहनकर के पेपर व आंसर शीट वितरित करने के निर्देश दिए। परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व थर्मल स्क्रीनिंग कर तथा प्रत्येक छात्रों को सैनिटाइजर से हाथ धोने के बाद एवं सोशल डिस्टेंस के साथ मास्क लगाकर परीक्षा केंद्रों में बैठाया गया।

हायर सेकेंडरी की शेष बची परीक्षाएं हुई प्रारंभ

सामाजिक दूरी का रखा जा रहा है ख्याल, मास्क पहनना है अनिवार्य..

पवई। बीते दिवस कोरोना महामारी के कारण लॉक डाउन होने से हायरसेकेंडरी की परीक्षाओं को बीच में रोक दिया गया था कुछ विषय की परीक्षाएं शेष बची थी जिन्हें शासन द्वारा पुनः प्रारंभ किया गया है 9 जून से 16 जून तक चलने वाली परीक्षाओं में पवई विकासखंड के अंतर्गत 8 केंद्र बनाए गए हैं जिसमें लगभग तेरह सौ परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं इन परीक्षाओं का समय सुबह नोंसे बारह बजे वहीं दोपहर 2रू00 बजे से शाम 5रू00 बजे तक रखा गया है। कोरोना महामारी को देखते हुए परीक्षार्थियों की बैठक व्यवस्था सामाजिक दूरी के साथ ,मास्क पहनना एवं हाथों को सैनिटाइजर से धोने पर ध्यान दिया जा रहा है पवई नगर में बनाए गए शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का तहसीलदार निकेत चैरसिया ने निरीक्षण किया।

माशिमं की 12वीं की परीक्षा

1380 स्टूडेंट्स ही परीक्षा देने पहुंचे

पहले दिन सुबह नियमों का हुआ पालन, छूटे तो सब भूले, कई केंद्रों में खराब निकली थर्मल स्क्रीनिंग मशीन

दीपेश कौरव ▸▸ भोपाल

मौके से रिपोर्ट

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की कक्षा 12वीं के शेष विषयों की परीक्षा मंगलवार से शुरू हुई। दो शिफ्ट में आयोजित की गई परीक्षा में पहले दिन राजधानी में कोई प्रकरण नहीं बना। परीक्षा केंद्रों पर पहली शिफ्ट में केमिस्ट्री का पेपर देने वाले स्टूडेंट्स सुबह एक घंटे पहले 8 बजे परीक्षा केंद्र पहुंचे, वहीं दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाली दूसरी शिफ्ट में भूगोल का पेपर देने के लिए छात्र दोपहर 1 बजे ही पहुंच गए थे।

स्टूडेंट्स को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए सर्कल बनाए गए और थर्मल स्क्रीनिंग व सेनिटाइजेशन के बाद कक्षाओं में एंट्री दी गई। इस दौरान सभी स्टूडेंट्स और स्टाफ मास्क लगाए नजर आए। हालांकि कुछ परीक्षा केंद्रों पर सुबह बाकायदा सभी नियमों का पालन किया गया, लेकिन पेपर छूटने के बाद सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया गया, स्टूडेंट्स भीड़ में नजर आए।

एक घंटे पहले परीक्षा सेंटर पहुंचे स्टूडेंट्स, थर्मल स्क्रीनिंग और सेनिटाइजेशन के बाद मिली एंट्री, कुछ परीक्षा केंद्रों में नहीं बनाए गए सर्कल, सुबह हुआ सोशल डिस्टेंसिंग का पालन, पेपर छूटने के बाद आदेश हुए हवा

सरोजिनी नायडू स्कूल में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए परीक्षा रूम में बैठे परीक्षार्थी। वहीं दूसरे चित्र में निरीक्षण करते हुए डीईओ। सभी फोटो : राकेश सैनी

केमिस्ट्री में 6,748 और 1380 भूगोल की परीक्षा में शामिल हुए स्टूडेंट्स

डीईओ कार्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, जिले में केमिस्ट्री विषय में लगभग 9,282 छात्र दर्ज हैं और परीक्षा में 6,748 शामिल हुए। वहीं दूसरी पाली में आयोजित भूगोल के पेपर के लिए लगभग 1,757 में से 1380 स्टूडेंट्स परीक्षा देने पहुंचे। जो विद्यार्थी गैरहाजिर रहे, उनमें जिला परिवर्तन वाले और स्वास्थ्य कारणों से परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले स्टूडेंट्स शामिल हैं।

एडीएम ने किया तीन स्कूलों का निरीक्षण

अपर कलेक्टर आशीष वशिष्ठ और जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना ने ना.नवीन कन्या उमा विद्यालय, अरेरा कॉलोनी, शा. कमला नेहरू उमा विद्यालय टीटी नगर व मॉडल उमा विद्यालय टीटी नगर का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर वशिष्ठ ने बच्चों को मेंटल का सामान कम लाने की सलाह दी। उन्होंने मॉडल स्कूल में लगाई सेनिटाइजर टनल को मापदंडों के अनुसार नहीं होने पर हटाने के निर्देश दिए।

नहीं हुआ नियमों का पालन

बच्चों को इतनी बड़ी रिस्क लेकर पेपर दिलाने के लिए अभिभावक भेज रहे हैं, लेकिन परीक्षा सेंटर में बच्चों की थर्मल स्क्रीनिंग तक ठीक से नहीं की गई और न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया।

बीके दुबे, अभिभावक

बच्चों से बात करने का तरीका सही नहीं

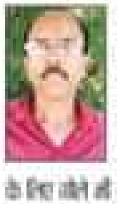

मैं अपने बेटे को परीक्षा दिलाने लाया हूं। गेट पर एंट्री के समय स्टॉफ बच्चों से बहुत सख्त तरीके से पेश आए। पहले भीड़ जुटाने फिर बच्चों पर भड़क रहे थे। वह सोशल डिस्टेंसिंग के लिए तरीके से नहीं आए।

सैयद दुरुख, अभिभावक

पेपर अच्छा गया

पेपर अच्छा गया। एंट्री के समय थर्मल स्क्रीनिंग की गई और सेनिटाइजर दिया गया था। हालांकि हम हमारे साथ सेनिटाइजर लेकर आए थे।

शिवम यादव, स्टूडेंट

सब सिलेबस का था

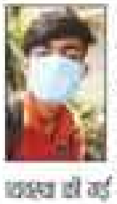

लॉकडाउन के बाद अब पेपर हुआ है। हमारा पेपर अच्छा गया है, सिलेबस के बाहर से कुछ भी नहीं था। क्लास में एक डेस्क छोड़कर बैठने की व्यवस्था की गई थी।

विशाल चौबे, स्टूडेंट

परिचय-पत्र दिखाओ

परीक्षा केंद्र में प्रवेश के दौरान परिचय-पत्र देखते हुए शिक्षक।

केंद्रों पर बनाए आइसोलेशन कक्ष

99 डिग्री फेरेनहाइट से अधिक तापमान वाले विद्यार्थियों अथवा कोरोना संक्रमण के लक्षण वाले स्टूडेंट्स को आइसोलेशन कक्ष में परीक्षा के लिए बैठाने की व्यवस्था की गई थी। जिन छात्रों में कोरोना के लक्षण दिखाई दिए उनको आइसोलेशन कक्ष में बैठाया गया।

प्रशासन ने की थी बसों की व्यवस्था

12वीं की परीक्षा में शामिल होने के लिए बाणगंगा सहित विभिन्न कंटेनमेंट एरिया के बच्चों को लाने के लिए प्रशासन द्वारा दो बसों की व्यवस्था की गई थी। हालांकि सभी बच्चे अपने वाहनों अथवा पालकों के साथ परीक्षा केंद्र पहुंचे।

कौन से रूम में रोल नंबर ?

किस रूम में बैठने की व्यवस्था की गई है, यह देखते हुए पालक व छात्रा।

अपनी बारी का इंतजार करते हुए

सुभाष स्कूल में प्रवेश के लिए अपनी बारी का इंतजार करते विद्यार्थी।

थर्मल स्क्रीनिंग मशीन में गड़बड़ी से हुई परेशानी

परीक्षा के दौरान स्टूडेंट्स व स्टॉफ की थर्मल स्क्रीनिंग के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर थर्मल स्क्रीनिंग मशीनें भेजी गई हैं, लेकिन पहले दिन ही कुछ परीक्षा केंद्रों से मशीन में दिक्कत आने की खबरें आईं। विभागीय अधिकारियों ने कुछ केंद्रों पर मशीन में तकनीकी समस्या की बात स्वीकारते हुए बदलाव कि मशीनों को बदलने के निर्देश दिए गए हैं।

सुभाष स्कूल में हाथ सेनिटाइज करती हुई छात्रा।

आज सुबह बुक कीपिंग एंड अकाउंट और दोपहर में वोकेशनल कोर्स प्रथम का पेपर

दो पाली में आयोजित परीक्षा में आज 10 जून को सुबह बुक कीपिंग एंड अकाउंट और दोपहर में वोकेशनल कोर्स प्रथम का पेपर होगा।

अच्छा गया एग्जाम, पेपर देख सारी नर्वसनेस दूर हुई

कक्षा 12वीं के स्टूडेंट्स ने दी रसायन शास्त्र और भूगोल की परीक्षा, स्टूडेंट्स ने बताया- लॉकडाउन में अच्छे से की तैयारी इसलिए नहीं आई समस्या

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर।

लॉकडाउन पीरियड में हमने समय बर्बाद नहीं किया, यही वजह है कि हमारा पेपर अच्छा गया। यह कहना था उन स्टूडेंट्स का जो एक नए अनुभव के साथ परीक्षा हॉल से पेपर देकर बाहर निकले। सावधानी के साथ कक्षा 12वीं के स्टूडेंट्स ने एग्जाम दिया। सुबह की शिफ्ट में कैमिस्ट्री और दोपहर की शिफ्ट में ज्योग्राफी का एग्जाम हुआ। स्टूडेंट्स ने बताया कि स्टडी को कंटीन्यू रखकर उन्होंने एग्जाम की तैयारी की। ज्यादातर स्टूडेंट्स ने कहा कि पेपर ईजी था, उन्हें अच्छे मार्क्स मिलने की उम्मीद है। पेपर देखकर हमारी सारी नर्वसनेस दूरी हो गई।

ईजी रहा पेपर

लॉकडाउन में मैंने एग्जाम की अच्छी तैयारी कर ली थी। इसलिए पूरा कॉन्फिडेंस था कि पेपर अच्छा जाएगा। कैमिस्ट्री का पेपर काफी आसान आया था। मैंने कोई भी क्वेश्चन नहीं छोड़ा। अच्छे प्रजेन्टेशन के साथ सारे सवालों के जवाब लिखे हैं।

काजल कोरी, स्टूडेंट

थोड़ी नर्वस थी

सोशल डिस्टेंसिंग फॉलो करते हुए, हैंड सैनिटाइज किया और टेम्प्रेचर चैक होने के बाद ही हमें एग्जाम हॉल में एंट्री मिली। मैं थोड़ी नर्वस थी, लेकिन एग्जाम काफी अच्छा गया। लॉकडाउन में तीन से चार बार रिवीजन कर लिया था।

पूनम रिछारिया, स्टूडेंट

अवेयरनेस के साथ

मैंने छुट्टियों में पढ़ाई मिस नहीं की। रोजाना कुछ टॉपिक्स लेकर स्टडी जारी रखी। इसका नतीजा है कि इतने दिनों बाद भी मैं कुछ भूली नहीं। मैंने पूरी अवेयरनेस के साथ एग्जाम दिया। वायरस से सुरक्षित रहने के लिए सारे नियमों का पालन किया।

स्वाति ठाकुर, स्टूडेंट

स्कूल ने कहा था किसी को नहीं निकाला एक टीचर सामने आई तो जारी हुआ नोटिस

कार्यालय संवाददाता, जबलपुर | बल्देवबाग स्थित एक स्कूल के खिलाफ पिछले सप्ताह टीचरों को नौकरी से निकालने की बिना नाम की शिकायत की गई थी। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल को नोटिस जारी किया था। स्कूल की ओर से दिए गए जवाब में कहा गया कि किसी भी टीचर को नौकरी से नहीं निकाला गया। सोमवार को एक टीचर ने शिकायत दी है कि उसे बिना किसी कारण के नौकरी से निकाला गया है। टीचर की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल को फिर से नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब माँगा है। रेखा बुधरानी की ओर से कलेक्टर से शिकायत की गई है कि वह स्मॉल वंडर्स स्कूल बल्देवबाग में टीचर थी। उसे 2 जून को बिना किसी कारण के नौकरी से निकाल दिया गया है। अप्रैल और मई में स्कूल ने उससे प्रतिदिन ऑनलाइन पढ़ाई और मैपिंग का काम कराया। अप्रैल माह में उसे आधा वेतन दिया गया, मई माह का वेतन नहीं दिया गया है। स्कूल ने उसकी सिक्योरिटी डिपॉजिट भी वापस कर दी है। कलेक्टर से इस मामले में कार्रवाई की माँग की गई है।

जेईसी के छात्रों को बाहर परीक्षा देने की सुविधा नहीं

कार्यालय संवाददाता, जबलपुर| राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने 23 से 29 जून तक बीई अंतिम वर्ष की परीक्षा कराने की घोषणा की है। छात्रों को यह सुविधा दी गई है कि जो छात्र जहाँ पर है, वो वहाँ पर परीक्षा दे सकता है, इसका लाभ सभी प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों को मिलेगा, लेकिन यह सुविधा जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज (जेईसी) के छात्रों के लिए नहीं है। इसका कारण जेईसी का ऑटोनॉमस होना है।

स्टोरी बुक्स में जान रहे जंगल वर्ल्ड को, ऑनलाइन निहार रहे नेचर ब्यूटी

सिटी रिपोर्टर,जबलपुर। बच्चों को कहीं घूमने नहीं मिल रहा, छुट्टियों में कुछ बच्चे नेशनल पार्क घूम लिया करते थे। ऐसे में जिन बच्चों को एनिमल्स पसंद हैं वे एनिमल्स पर बनी शॉर्ट् मूवीज देख रहे है, कुछ बच्चे स्टोरी बुक पढ़ रहे हैं। हिरण से लेकर जंगल में रहने वाले पक्षियों और जलीय जीवों के बारे में भी बच्चे जान रहे हैं। आर-1

स्टोरी बुक्स पसंद

मेरे घर पर छोटी-छोटी गिलहरियाँ आती हैं, उनके बारे में मुझे पता था कि वे क्या खाती हैं। मैंने पापा से गिलहरी से जुड़ी स्टोरी बुक मँगवाई। इस बुक में काफी एनिमल्स के चित्र बने हैं जिन्हें देखकर मैं काफी कुछ समझ जाती हूँ।

निहारिका रजक, स्टूडेंट

जंगल की कहानियाँ

मुझे यह जानना पसंद है कि भारत का वन क्षेत्र कितना है। इसमें रहने वाले एनिमल्स कैसे अपना जीवन बिताते हैं। इसके साथ ही जंगल की दुनिया को जीना भी चाहता हूँ। जंगल पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्मों से मुझे कई जानकारियाँ मिल जाती हैं।

अमित यादव, स्टूडेंट पी-2

25 स्कूलों में नौकरी कर रही अनामिका शुक्ला सामने आई, बोली- मैंने तो कभी नौकरी ही नहीं की

भास्कर न्यूज़ | लखनऊ/नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश की असली अनामिका शुक्ला सामने आ गई है, जो कहीं भी नौकरी नहीं कर रही है। मंगलवार को गोंडा में बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंची अनामिका शुक्ला ने मूल शैक्षिक अभिलेख दिखाते हुए दावा किया कि वह कहीं नौकरी नहीं कर रही। शुक्ला ने बताया कि 2017 में उसने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में विज्ञान शिक्षक के लिए सुलतानपुर, जौनपुर, बस्ती, मिर्जापुर और लखनऊ में आवेदन किया था, लेकिन न काउंसलिंग में हिस्सा लिया और न ही नौकरी की। संभावना जताई जा रही है कि अनामिका के आवेदन के साथ लगे प्रमाण पत्रों की फोटोकॉपी का दुरुपयोग किया गया। सवाल उठ रहा है कि प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी बाहर कैसे पहुंची?

सुप्रीम कोर्ट ने आधे पदों पर भर्ती रोकी, प्रदेश सरकार कोर्ट जाएगी

'कट ऑफ मेरिट' के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षा मित्रों की याचिका पर मंगलवार को 37,339 पदों की भर्ती पर रोक लगा दी है। बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी ने कहा कि इस फैसले के खिलाफ प्रदेश सरकार विशेष अनुमति याचिका दायर करेगी, क्योंकि राज्य सरकार का पक्ष नहीं सुना गया है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका ने लगाया गड़बड़ी का आरोप

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को भर्ती से जुड़े दो दर्जन से अधिक अभ्यर्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बात की। इसके बाद ट्वीट किया, 'डेढ़ साल पहले हुई परीक्षा का परिणाम अब आ रहा है। अगर कुछ गड़बड़ी नहीं हुई तो परिणाम आने में इतना वक्त क्यों लगा।

बोर्ड एग्जामः गेट पर थर्मल स्क्रीनिंग, मास्क लगाकर दिया पर्चा

सिहोरा, पनागर, पाटन, कुंडम, गांधीग्राम समेत अन्य जगह कई सेंटर्स पर हुई बारहवीं की परीक्षा, बरती गई एहतियात

भास्कर न्यूज | सिहोरा

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित 12वीं की शेष परीक्षा मंगलवार सुबह 9 बजे से सिहोरा विकासखंड के 11 परीक्षा केंद्रों में हुई। परीक्षा केंद्रों में निर्धारित समय के 1 घंटे पहले से ही विद्यार्थी पहुंचे जहां थर्मल स्कैनिंग से उनके तापमान की जांच के बाद हाथों को सैनिटाइज कर परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया।

विकास खंड शिक्षा अधिकारी अशोक उपाध्याय ने बताया कि 11 परीक्षा केंद्रों में हायर सेकेंडरी परीक्षा की रसायन शास्त्र विषय की परीक्षा सोशल डिस्टेंसिंग के साथ आयोजित की गई। नगर में बनाए गए परीक्षा केंद्र पंडित विष्णु दत्त उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी विद्यालय एवं यशोदा बाई कन्या हायर सेकेंडरी विद्यालय खितौला का निरीक्षण विकास खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया । यहां समाजसेवी विनय असाटी व उनके सहयोगियों छात्र- छात्राओं के हाथों को सेनेटाइज कराया और उन्हे मॉस्क भी प्रदान किए।

पनागर में परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

क्षेत्र के उत्कृष्ट विद्यालय,सरस्वती विद्यालय, कन्या शाला में परीक्षा केंद्रों में बोर्ड के निर्देशों के अनुसार परीक्षा का संचालन किया गया। तहसीलदार परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण प्रमोद चतुर्वेदी ने किया। उन्होंने उत्कृष्ट विद्यालय में छात्रों को दो अतिरिक्त कमरे में बैठाने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि पनागर मुख्यालय में 3 परीक्षा केन्द्रों पर 179 लगभग परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे है।

मझौली में छात्रों की स्क्रीनिंग

बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा कार्य में संलग्न अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों की थर्मल स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य परीक्षण डॉक्टर पारस ठाकुर बीएमओ मझौली के नेतृत्व में सीएचओ सुपरवाइजर एवं एमपीडब्ल्यू ने किया।

गांधीग्रामः सेनेटाइज किए गए परीक्षा केन्द्र

गांधीग्राम, कुशनेर के परीक्षा केन्द्रों मे परीक्षा शुरू होने से दो घंटा पूर्व स्कूल सैनिटाइज किया गया। परीक्षार्थियों व परीक्षा कक्ष में पर्यवेक्षक व निरीक्षक ने फेस मास्क लगाकर हैंड सैनिटाइज कर कॉपियों के बाद प्रश्नपत्रों का वितरण किया।

पाटनः छात्रों ने हाथों को सैनिटाइज कर दिया पर्चा

सोशल डिस्टेंस का पालन कर केन्द्र को सेनेटाइजर कर परीक्षार्थियों को सेनेटाइजर से हाथ धुलाकर कक्षा 12वीं का केमेस्ट्री की परीक्षा प्रारंभ हुई । यहां पर10 कमरों में बैठक व्यवस्था की गई है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मे 163 और शासकीय कन्या शाला 31 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी । परीक्षा केन्द्र का पाटन बी ई ओ श्री शुक्ला ने निरीक्षण किया। केंद्र सैकेन्द्र अध्यक्ष श्री साहू व सहायक केन्द्र अध्यक्ष श्रीमती अभिलाषा व पर्यवेक्षक श्रीमती अग्रवाल उपस्थित रही।

कुंडम में भी सोशल डिस्टेंस के साथ हुई परीक्षा

विकासखंड कुंडम के बोर्ड परीक्षा केंद्र कन्या स्कूल,बालक स्कूल कुंडम बाघराजी पड़रिया हरदौली कला में कक्षा बारहवीं की परीक्षा शुरू हुई। शासकीय कन्या उत्तर माध्यमिक विद्यालय में सोशल डिस्टेंस के लिए बनाए गए गोलों में बच्चों को खड़ा कर स्वास्थ्य विभाग के अमले ने प्रत्येक परीक्षार्थियों का चेकअप कर एवं सैनिटाइजर से हाथ साफ कर कक्षा अंदर प्रवेश कराया गया । स्वास्थ्य विभाग से आशीष धुर्वे उषा देवी माया परस्ते सुरेंद्र सिंह अनीता गोस्वामी एवं परीक्षा के दस्तक उमेश तिवारी सहयोगी निरपद धुर्वे नेतराम झारिया पूरन परस्ते एवं उत्कृष्ट विद्यालय केएमएल झारिया कृपाल झारिया सुशील हुई ।

मास्क लगाए सेनिटाइजर लेकर पहुँचे छात्र थर्मल स्क्रीनिंग के बाद मिला केंद्र में प्रवेश

12वीं बोर्ड की परीक्षा के पहले दिन दो पालियों में हुए पेपर

कार्यालय संवाददाता | जबलपुर

कोरोना संक्रमण के खतरे के बीच मंगलवार से आयोजित 12वीं बोर्ड की परीक्षा में पूरा नजारा ही बदला हुआ था। चेहरे पर मास्क लगाए और हाथों में सेनिटाइजर लेकर छात्रों को एक घंटे पहले परीक्षा केन्द्रों पर पहुँचना पड़ा। थर्मल स्क्रीनिंग के बाद उन्हें प्रवेश दिया गया। परीक्षा कक्ष में प्रवेश के पहले छात्रों के हाथों को सेनिटाइज कराया गया। जूते कक्ष के बाहर उतरवा दिए गए। इसके बाद सोशल डिस्टेंसिंग से परीक्षा कराई गई। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति नहीं बन पाई। मंगलवार की सुबह 9 बजे से कैमेस्ट्री का पेपर था। इसके लिए सुबह 8 बजे के पहले ही छात्र-छात्राओं का परीक्षा केन्द्रों में पहुँचना शुरू हो गया था। दूसरी पाली में दोपहर 2 बजे से आयोजित भूगोल विषय की परीक्षा में भी नियमों के अनुसार छात्रों को प्रवेश दिया गया।

शुरू में असहज महसूस कर रहे थे छात्र - परीक्षा शुरू होते ही छात्र कुछ देर तक असहज महसूस कर रहे थे, लेकिन कुछ देर बाद वे सामान्य हो गए। छात्रों को 10 मिनट पहले उत्तरपुस्तिकाएँ दी गईं। परीक्षा शुरू होने के 5 मिनट पहले प्रश्न-पत्र दिए गए, ताकि छात्र उत्तर लिखने के लिए तैयार हो सकें।

पहले दिन 947 छात्र अनुपस्थित - परीक्षा प्रभारी आरके बधान ने बताया कि पहले दिन दोनों पालियों में 11 हजार 200 छात्रों को सम्मिलित होना था, लेकिन परीक्षा में 10 हजार 253 छात्र उपस्थित हुए। परीक्षा से 947 छात्र अनुपस्थित रहे। सुबह की पाली में 8496 में से 794 और दोपहर की पाली में 2704 में से 153 छात्र अनुपस्थित रहे।

नहीं बना नकल प्रकरण

12वीं बोर्ड की परीक्षा के पहले दिन जिले में एक भी नकल प्रकरण दर्ज नहीं किया गया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सोशल डिस्टेंसिंग के कारण छात्रों को दूर-दूर बैठाया गया था। इसकी वजह से छात्रों को नकल करने का मौका नहीं मिला।

डीईओ और सीएमएचओ ने किया निरीक्षण - परीक्षा के पहले दिन डीईओ सुनील नेमा और सीएमएचओ डॉ. रत्नेश कुररिया ने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। परीक्षा केन्द्रों में डीईओ ने छात्र-छात्राओं से बातचीत कर कहा कि वे बिना किसी भय के परीक्षा दें, किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर केन्द्राध्यक्ष से मदद ले सकते हैं। सीएमएचओ ने परीक्षा केन्द्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों को थर्मल स्क्रीनिंग के दौरान सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। पी-2

बाहर किए गए अतिथि विद्वानों की बहाली शीघ्र

भास्कर ब्यूरो | भोपाल

प्रदेश की भाजपा सरकार अतिथि विद्वानों की समस्याओं के प्रति पूर्ण रूप से संवेदनशील है। हम अतिथि विद्वानों के संघर्षों के साक्षी है। कोरोना संकट के कारण निर्णय होने में देरी हो रही है। फॉलेन आउट अतिथि विद्वानों की फिर से सेवा में बहाली हमारी प्राथमिकता है। हम जल्द इस संबंध में निर्णय लेने जा रहे है। सभी बाहर किए गए अतिथिविद्वानों की जल्द सेवा बहाली की जाएगी। यह बातें अतिथि विद्वानों के एक प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान प्रदेश के मुख्यमन्त्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहीं है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमन्त्री श्री चौहान सुसनेर जिला आगर मालवा पहुंचे थे। जहां पर डॉ जगदीश कुल्मी एवं डॉ कैलाश गरवल के नेतृत्व में अतिथि विद्वानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंन्त्री से मिलकर फालेन आउट अतिथि विद्वानों की बहाली एवं सभी अतिथि विद्वानों के नियमितीकरण के संबंध में चर्चा की। अतिथि विद्वान नियमितीकरण संघर्ष मोर्चा के संयोजक डॉ देवराज सिंह ने कहा है कि मुख्यमंन्त्री शिवराज सिंह चौहान अतिथि विद्वानों के लंबे संघर्ष के साक्षी रहे है। शाहजहांनी पार्क के ऐतिहासिक आंदोलन में भी वे उपस्थित हुए थे एवं उनके प्रयासों से ही विधानसभा में भाजपा ने अतिथि विद्वान नियमितीकरण के मुद्दे पर तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर दबाव बनाया था, जिससे अतिथि विद्वान नियमितीकरण के केबिनेट प्रस्ताव का मार्ग प्रशस्त हुआ था। अतिथि विद्वानों का विश्वास है कि मुख्यमंन्त्री शिवराज सिंह जल्द अतिथि विद्वानों के नियमितीकरण तथा फालेन आउट अतिथि विद्वानों की सेवा बहाली के संबंध में सकारात्मक निर्णय लेंगे।

कोरोना एलर्ट के बीच पहले दिन 25123 विद्यार्थियों ने दिए पेपर

परीक्षा के पहले थर्मल स्कैनर से टेम्परेचर देखा, हाथों को कराया सैनिटाइज

नगर संवाददाता | रीवा

कोरोना संक्रमण से पूरी सावधानी के बीच मंगलवार को बारहवीं के शेष विषयों के पेपर शुरु हो गए। माध्यमिक शिक्षा मंडल की इस परीक्षा में शामिल प्रत्येक विद्यार्थी की थर्मल स्क्रीनिंग कराई गई। यह भी देखा गया कि कोई भी विद्यार्थी बिना मॉस्क के परीक्षा में शामिल न होने पाए। पहली पाली में रसायन शास्त्र का पेपर हुआ, तो वहीं दूसरी पाली में भूगोल के विद्यार्थी शामिल हुए। गौरतलब है कि यह परीक्षा 16 जून तक चलेगी। रसायन शास्त्र के पेपर में पंजीकृत 12926 में से 12598 शामिल हुए। इस तरह 328 गैर हाजिर रहे हैं। नकल प्रकरण एक भी तैयार नहीं हुए। वहीं भूगोल के पेपर में पंजीकृत 12 हजार 856 परीक्षार्थियों में से 12 हजार 536 शामिल हुए। इस पेपर में 320 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे हैं। पहले दिन के दोनों पेपर में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की संख्या 25 हजार 134 रही।

गर्मी से हुए बेहाल

जिले में रसायन शास्त्र के पेपर के लिए 98 और भूगोल के लिए 93 केन्द्र रहे। कई केन्द्रों में गर्मी को लेकर आवश्यक इंतजाम न होने से परीक्षार्थी परेशान हुए। ग्रामीण क्षेत्र के कई केन्द्रों में बिजली नहीं रही। गर्मी को देखते हुए बिजली और पंखे की व्यवस्था न होने से परीक्षार्थी पसीना से तर-बतर हुए। दूसरी पाली यानी दोपहर दो बजे से होने वाले पेपर में ज्यादा परेशानी सामने आई।

टेम्परेचर ज्यादा आया

कोरोना को लेकर परीक्षा केन्द्रों में आवश्यक सतर्कता बरती गई। सभी केन्द्रों में थर्मल स्केनर खरीदे गए थे। प्रत्येक केन्द्र में स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे। जिनके द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी की थर्मल स्क्रीनिंग करने के साथ ही हाथों को सेनिटाइज कराया। जिन विद्यार्थियों का टम्प्रेचर ज्यादा आया, उन्हें अलग बैठाने की व्यवस्था की गई। मार्तण्ड क्रमांक-एक में भूगोल का पेपर देने आई एक छात्रा का टम्प्रेचर ज्यादा निकला।

बेंच छोटी होने से हुए परेशान

इस पेपर में चार नए केन्द्र बनाए गए। नए केन्द्रों में विशेष निगरानी रही। सेन्ट्रल एकडेमी के एक कमरे में विद्यार्थियों ने परेशानी महसूस की। विद्यार्थियों का कहना था कि जो बेंच रखी गई, वह छोटी रही। इस वजह से बैठने में काफी परेशानी हुई है।

पहली पाली में यहां पहुंचे अधिकारी

पहली पाली के पेपर में जिला शिक्षा अधिकारी आरएन पटेल के पैनल ने शाउमावि बालक एवं कन्या लालगांव, शासकी हाईस्कूल जमुई और शाउमावि बालक त्योंथर केन्द्र का निरीक्षण किया। जबकि दूसरे पैनल ने शाउमावि लक्ष्मणपुर, शाउमावि सिलपरा और शाउमावि बालक गोविन्दगढ़ का अवलोकन किया। तीसरे पैनल ने उमादत्त उमावि ढेकहा, शाउमावि एसके एवं सेन्ट्रल एकेडमी का निरीक्षण किया।

एमपी बोर्ड की परीक्षाएं

रोल नंबर नहीं मिलने से परेशान हुए छात्र, स्क्रीनिंग के बाद ही प्रवेश मिला

भोपाल। एमपी बोर्ड के बचे हुए पेपरों की परीक्षाएं आज से शुरू हो गईं। इसमें शामिल हो रहे प्रदेशभर के करीब साढ़े 8 लाख छात्रों के लिए 4 हजार केंद्र बनाए गए हैं। भोपाल के शासकीय सुभाष उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट स्कूल शिवाजी नगर में परीक्षा शुरू होने के डेढ़ घंटे पहले ही छात्र-छात्राएं पहुंच गए। सबके चेहरे पर मास्क और हाथ में सैनिटाइजर की बोतल नजर आई। हालांकि, इस दौरान कुछ छात्र केंद्र में रोल नंबर नहीं मिलने के कारण परेशान भी होते दिखे। प्रबंधन द्वारा स्कूल के बाहर छात्रों का रोल नंबर और उसके सामने उनके बैठने वाले रूम की जानकारी का एक बोर्ड लगाया गया था। थर्मल स्क्रीनिंग करने के बाद छात्रों को केंद्र में प्रवेश दिया गया। इस बार शिक्षकों की कम संख्या में ड्यूटी लगाई गई। सिर्फ गेट पर ही एक अधिकारी और शिक्षक बच्चों की मदद के लिए खड़े हैं। इससे पहले हर परीक्षा रूम में कम से कम दो शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाती रही है। भोपाल के सात नंबर स्टाप स्थित शासकीय कन्या विद्यालय में पेपर छूटने के बाद बच्चों की भीड़ जमा हो गई।

» प्रदेश के करीब साढ़े 8 लाख छात्रों के लिए 4 हजार केंद्रों पर आयोजित की जा रही हैं बोर्ड परीक्षाएं

» भोपाल के 97 स्कूलों में परीक्षा, कोरोना के कारण पेपर नहीं दे पाने वालों को और मौका मिलेगा

18 हजार से ज्यादा छात्रों ने दी परीक्षा

स्टार समाचार | सतना

कोरोना संक्रमण के कारण स्थगित हुई हायर सेंकडरी तथा व्यवसायिक परीक्षा मंगलवार से दोबारा शुरू हो गईं दो पालियों में होने वाली ये परीक्षाएं आगामी 16 जून तक चलेंगी। पहले दिन भी दो पालियों में परीक्षा हुई जिसमें 18 हजार 139 छात्र शामिल हुए। पहली पाली में 102 केन्दों में रासायन विज्ञान की परीक्षा हुई जिसमें 9574 छात्र शामिल हुए।इसी तरह दूसरी पाली में 98 परीक्षा केन्द्रों में 8565 छात्रों ने भाग लिया। परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व केन्द्रों में प्रवेश से पहले थर्मल स्क्रीनिंग कर तथा प्रत्येक छात्रों को सैनिटाइजर से हाथ धोने के बाद कक्ष में प्रवेश के निर्देश दिए गए थे पर कई परीक्षा केन्द्रों में प्रवेश के बाद थर्मल स्क्रीनिंग हुई और कक्ष में ही हाथ सैनिटाइज किए गए। सोशल डिस्टेंस के साथ मास्क लगाकर परीक्षा केन्द्रों में छात्रों को बैठाया गया। संयुक्त संचालक रीवा अंजनी कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या धवारी में हायर सेकेण्डरी के शेष विषयों की चल रही परीक्षाओं को लेकर बनाये गये परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासन द्वारा परीक्षा केंद्र पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने सभी शिक्षकों को मास्क लगाकर हाथों में दस्ताने पहनकर के पेपर व आंसर शीट वितरित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शिक्षकगण उपस्थित थे।

जुगाड़ से कराई 18 हजार परीक्षार्थियों की स्क्रीनिंग

भास्कर न्यूज़ | सतना

जिला मुख्यालय समेत जिले में मंगलवार को आयोजित 12 वीं की बोर्ड परीक्षा के पहले दिन तकरीबन 18 हजार परीक्षार्थियों की थर्मल स्क्रीनिंग जुगाड़ से कराई गई। बताया गया है कि इनमें से 90 फीसदी परीक्षा केंद्रों में कोरोना वायरस के संक्रमण से संबंधित मेडिकल चेकअप के लिए थर्मल इन्फ्रारेड स्कैनर स्वास्थ्य विभाग ने उपलब्ध कराए। मंगलवार को रसायन विज्ञान और भूगोल विषय के पेपर थे। परीक्षा केंद्रों में सेनिटाइजर की व्यवस्था के साथ सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किए जाने के भी निर्देश दिए गए थे। परीक्षा केंद्रों में शारीरिक दूरी के लिए मार्किंग भी की गई थी।

क्यों आई ये नौबत

जानकार सूत्रों ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय पहले थोक के भाव इन्फ्रा रेड स्कैनर खरीदकर हर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने की कोशिश में था लेकिन जब यह कोशिश नाकाम रही तो संचालनालय ने शनिवार को इस आशय का फरमान जारी कर दिया कि सेनिटाइजर के साथ थर्मल स्क्रीनिंग की प्रबंध संस्था मद से स्वयं परीक्षा केंद्र करें। अगले दिन रविवार होने के कारण ये संभव न हो सका। सोमवार को दौड़-धूप कर जैसे-तैसे कुछ केंद्र प्रभारी तो थर्मल इन्फ्रा रेड स्कैनर का जुगाड़ जमाने में कामयाब हो गए मगर ज्यादातर निहत्थे ही रह गए। अंततः इन्होंने स्वास्थ्य विभाग की शरण ली।

फोटो | बैकुंठ

बड़े केंद्रों में बिगड़ी व्यवस्था

कोरोना वायरस के संक्रमण की आशंका पर क्लीनिकल प्रोटोकॉल के तहत आयोजित की गई बोर्ड परीक्षा के दौरान कुछ बड़े परीक्षा केंद्रों में सामाजिक दूरी का पालन करने और मास्क लगाने की अनिवार्यता प्रभावित हुई। ऐसे अनेक परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थी तो परीक्षार्थी स्वयं परीक्षकों ने भी मास्क नहीं लगा रखे थे। ग्लब्स के उपयोग के प्रति भी गंभीरता नहीं देखी गई।

बाहर से आए 58 परीक्षार्थी

रसायन विषय की परीक्षा के लिए 102 केंद्रों में कुल 9 हजार 817 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड थे। जिनमें से 58 परीक्षार्थी ऐसे थे जो बाहर से आए थे। कुल परीक्षार्थियों में से 243 गैर हाजिर रहे। इस तरह से यहां 9 हजार 574 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। जबकि यहां के 19 परीक्षार्थियों को दूसरे जिलों में परीक्षा देनी पड़ी। इसी प्रकार भूगोल विषय के लिए 96 केंद्रों में 8हजार 821 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड थे। इनमें से 256 गैर हाजिर रहे। जबकि 8 हजार 565 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठे। इनमें से बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों की संख्या महज 8 थी।

परीक्षा केंद्रों के बाहर उतरवाए जूते-मोजे, इस बार नकल की जांच नहीं, सेनीटाइजर और थर्मल स्क्रीनिंग के बाद मिला प्रवेश

परीक्षा केंद्रों के बाहर लगी रही भीड़ अंदर हुआ सोशल डिस्टेंसिंग का पालन

राजधानी सहित प्रदेशभर में शुरू हुए हायर सेकंडरी एग्जाम

नगर संवाददाता, भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर के परीक्षा केंद्रों पर मंगलवार से हायर सेकंडरी के एग्जाम शुरू हो गए। परीक्षा दो पालियों में हुई। सुबह 9 बजे से 12वीं की परीक्षा शुरू हो गई पहला पेपर केमिस्ट्री का रहा। इसके बाद दोपहर 2 से 5 बजे के बीच भूगोल की परीक्षा हुई। कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश देने से पहले उनके हाथ सैनिटाइजर से साफ करवाए गए इसके साथ ही थर्मल स्कैनर से उनका तापमान भी जांचा गया। सभी परीक्षार्थियों ने मुंह पर मास्क लगाकर पहुंचे। परीक्षा केंद्रों के बार छात्रों के जूते-मोजे भी उतरवाए गए। कोरोना संक्रमण नहीं था, तब परीक्षा केंद्र पर प्रवेश से पहले छात्रों की तलाशी ली जाती थी और देखा जाता था कि कोई नकल लेकर तो नहीं आया है। इस बार परीक्षा केंद्रों पर मौजूद स्टॉफ ने भी छात्रों से दूरी बनाए रखी। किसी भी छात्र को किसी ने छुआ भी नहीं। सिर्फ दूर से ही उनकी स्क्रीनिंग हुई और सेनीटाइजर से उनके हाथ साफ करवाए गए। इसके बाद उन्हें प्रवेश मिला। राजधानी के 97 परीक्षा केंद्रों पर करीब 29 हजार परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा केंद्रों पर 40 क्षमता वाले कमरे में सिर्फ 20 छात्रों को ही बैठाया गया था। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों पर तय समय से एक घंटे पहले बुलाया गया था।

राजधानी में आज से 12वीं की रुकी हुई परीक्षाएं शुरू हुई। इस अवसर पर छात्रों का टेम्प्रेचर चेक किया गया और मॉस्क के साथ ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया गया।

परीक्षा केंद्रों के बाहर अव्यवस्था : शहर के कुछ परीक्षा केंद्रों के बाहर एग्जाम से पहले अव्यवस्था हुई। एक साथ परीक्षार्थी एग्जाम सेंटर पर पहुंच गए थे, जिससे भीड़ लग गई और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी नहीं हो पाया। हालांकि परीक्षा कक्ष में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ छात्रों को बैठाया गया था। परीक्षा कक्ष के अंदर भी शारीरिक दूरी बनाने के लिए एक-एक बेंच छोड़कर परीक्षार्थियों को बैठाया गया।कोरोना संक्रमण को देखते हुए सभी परीक्षा केंद्रों पर केंद्राध्यक्षों ने सैनिटाइजर, थर्मल स्क्रीनिंग गन, साबुन, लिक्विड सोप सहित मास्क पहनकर न आने वाले छात्रों के लिए मास्क के भी इंतजाम किए थे।

आरजीपीवी फाइनल ईयर के एग्जाम 16 से, कोई भी छात्र किसी भी एग्जाम सेंटर से दे सकेगा परीक्षा

अंतिम सेमेस्टर के एग्जाम में 40 हजार परीक्षार्थी होंगे शामिल

नगर संवाददाता, भोपाल

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बीई, फॉर्मेसी सहित अन्य विषयों के फाइनल ईयर के एग्जाम 16 जून से शुरू हो रहे हैं। इसकी तैयारियां विश्वविद्यालय ने शुरू कर दी हैं। परीक्षाओं के लिए प्रदेशभर में 230 परीक्षा सेंटर बनाए गए हैं। इन एग्जाम सेंटरों पर करीब 40 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। यह एग्जाम 30 जून तक चलेंगे। इसके बाद अन्य सेमेस्टर की परीक्षाएं होंगी। अन्य सेमेस्टर के एग्जाम 31 जुलाई तक होंगे। आरजीपीवी ने छात्रों को सुविधा दी है कि वे किसी भी परीक्षा केंद्र से एग्जाम दे सकेंगे। इससे छात्रों को एक शहर से दूसरे शहर नहीं जाना पड़ेगा। एग्जाम के लिए प्रदेश के विभिन्न इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। कोविड-19 संक्रमण के कारण परीक्षार्थियों को उनके नजदीक के परीक्षा केन्द्र में परीक्षा देने की सुविधा दी जा रही है। यह निर्णय राज्यपाल लालजी टंडन की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में विगत दिनों हुई बैठक में लिया गया था। परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्रों पर असुविधा न हो, इसलिए संस्था के शैक्षणिक भवन एवं छात्रावास को कोविड-19 का क्वारेंटाइन सेंटर नहीं बनाने के निर्देश कलेक्टर्स को दिये गए हैं। यह निर्देश भी दिए गए हैं कि यदि पूर्व में किसी केन्द्र के भवन में क्वारेंटाइन सेंटर बनाया गया हो तो उसे किसी अन्य सुसंगत भवन में स्थानांतरित कर परीक्षा केन्द्र को विधिवत सैनिटाईज करवाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। समस्त कलेक्टर एवं समस्त पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए गए हैं कि वैश्विक महामारी कोविड-19 संक्रमण के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो और विद्यार्थी किसी कारण परीक्षा देने से वंचित न हो जाएं, इसलिए परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रवेश-पत्र को ही आवागमन के लिए मान्य किया जावे। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को स्थानीय शासकीय एवं निजी छात्रावास, होटल में रहने, रूकने में कोई परेशानी न हो। संचालक तकनीकी शिक्षा को निर्देश दिए गए हैं कि इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों में परीक्षा संबंधी कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक स्टॉफ की उपस्थिति सुनिश्चित करें।

कोरोना के साये में हुई बारहवीं की परीक्षा

- हाथ धुलाई सेनेटाइजर लगवाया गया परीक्षार्थियों को
- हुई थर्मल स्कैनिंग
- प्रवेश के लिए मास्क लगना था अनिवार्य

जवा, (नि.प्र.)। शासन के आदेशानुसार कक्षा 12वीं की परीक्षा दिनांक 9 जून 2020 को भारी सुरक्षा व्यवस्था के साथ शिक्षा विभाग के कर्मचारियों द्वारा कराया गया।

बताया गया कि जनपद पंचायत जवा के अंतर्गत जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जवा एवं शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय सितलहा, मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शीतलहा को परीक्षा केंद्र बनाया गया है कोरोनावायरस महामारी के चलते प्रशासनिक अधिकारी भारी सुरक्षा व्यवस्था के साथ छात्रों के सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षाएं संपन्न कराई जा रही है।

बताया गया कि केंद्रों को जनपद सीईओ अखिल सहाय श्रीवास्तव के निर्देशन में ग्राम पंचायतों द्वारा परीक्षा केंद्रों को सैनिटाइज एवं साफ सफाई तथा हाथ धोने के लिए हैंड वॉच एवं लगाने के लिए सैनिटाइजर की व्यवस्था कराई गई वही स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा छात्रों का थर्मल स्कैनिंग भी की गई विद्यालय स्टाफ द्वारा हैण्ड वास से हाथ धुलाई के साथ सेनेटाइजर एवं माक्स लगाकर सोशल डिस्टेंस के साथ विद्यार्थियों को बैठक व्यवस्था बनाकर परीक्षा संपन्न कराई गई।

इस दौरान थाना प्रभारी जवा कन्हैया बघेल द्वारा भी विद्यालय का निरीक्षण कर सोशल डिस्टेंस एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

हायर सेकेण्ड्री का केमेस्ट्री पेपर, परीक्षा से ठीक पहले सोशल मीडिया में पेपर लीक की अफवाह

ग्वालियर 12वीं स्टूडेंट ग्रुप से शुरू हुआ वायरल का खेल, प्रशासन के अफसर भी गए थे चौक

सतना, (नव स्वदेश)। लॉक डाउन के बाद मंगलवार से शुरू हुई 12वीं की परीक्षा में उस वक्त हड़कंप मच गया जब सोशल मीडिया में पेपर लीक की खबर सामने आने लगी। गौरतलब है कि मंगलवार को कमेस्ट्री का पेपर तय समय के अनुसार शुरू हुआ। पेपर शुरू होने से कुछ घंटे पहले सतना जिले से पेपर वायरल होने की खबर आ गई। सतना जिले के कई व्हाट्सएप ग्रुप में देखते ही देखते यह पेपर चर्चा का विषय बन गया। असल में पूरा खेल मध्य प्रदेश के ग्वालियर 12वीं स्टूडेंट के नाम से बने एक व्हाट्सएप ग्रुप से यह पेपर वायरल हुआ। और देखते ही देखते पूरे मध्यप्रदेश में फैल गया। सतना जिला प्रशासन के पास भी यह बात पहुंची और जब इस मामले की जांच पड़ताल का दौर चलता तब तक परीक्षार्थी परीक्षा हाल तक पहुंच चुके थे। प्रशासन ने वायरल प्रश्न पत्र जमा किए, और परीक्षा हाल में बांटने वाले प्रश्न पत्र के बंडल खोलें तो प्रशासन के अफसर भी चौक गये। क्योंकि जो पेपर वायरल हो रहे थे और जो केमिस्ट्री का पेपर पैकेट में बंद था उसमें किसी भी तरह से कोई मिलान ही नहीं था, यह पेपर बिल्कुल एक दूसरे से मैच नहीं करते थे। इसके बाद प्रशासन ने एक बार राहत की सांस खोली। लेकिन इस मामले पर यह जांच जरूर होनी चाहिए कि आखिर इस तरह से अफवाह किसने फैलाई।

संयुक्त संचालक किया बोर्ड परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

सतना संयुक्त संचालक रीवा अंजनी कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या धवारी में हायर सेकेण्डरी के शेष विषयों की चल रही परीक्षाओं को लेकर के बनाये गये परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासन द्वारा परीक्षा केंद्र पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने सभी शिक्षकों को मास्क लगाकर हाथों में दस्ताने पहनकर के पेपर व आंसर शीट वितरित करने के निर्देश दिए। परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व थर्मल स्क्रीनिंग कर तथा प्रत्येक छात्रों को सैनिटाइजर से हाथ धोने के बाद एवं सोशल डिस्टेंस के साथ मास्क लगाकर परीक्षा केंद्रों में बैठाया गया। निरीक्षण के दौरान शिक्षकगण उपस्थित थे।

हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा का फिर हुआ आगाज

केमेस्ट्री में 320 और भूगोल में 226 नहीं आए, 20 हजार 44 ने दी परीक्षा

एक भी नकल प्रकरण नहीं बने

डीईओ की टीम निरीक्षण में लगी रही

राजस्व अधिकारियों की लगाई गई परीक्षा केन्द्रों तक पेपर पहुंचाने में ड्यूटी

जागरण, रीवा

मंगलवार से 12 वीं की बोर्ड परीक्षाएं फिर शुरू हो गई। 99 केन्द्रों में परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षार्थियों का प्रवेश के पहले थर्मल स्क्रीनिंग की गई। दो पालियों में आयोजित परीक्षा में सुबह की पाली में रसायन और दूसरी पाली में भूगोल की परीक्षाएं हुई। सुबह 320 और शाम को 226 छात्र परीक्षा स्थल से अनुपस्थित रहे। दोनों पालियों में कुल 20 हजार 44 छात्र शामिल हुए।

ज्ञात हो कि लॉकडाउन के कारण 20 मार्च के बाद की आयोजित परीक्षाएं निरस्त कर दी गईं थी। अब लॉकडाउन ओपन होने के बाद 12 वीं की शेष परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। 9 जून को पहले दिन रसायन और भूगोल की परीक्षा आयोजित हुई। सुबह की पाली में रसायन और दूसरी पाली में भूगोल की परीक्षा आयोजित की गई। रसायन विषय में कुल 12 हजार 77 परीक्षार्थी रेग्युलर रजिस्टर्ड थे। इसमें से सिर्फ 11 हजार 867 छात्र ही आए। इसी तरह स्वाध्यायी में 779 छात्र रजिस्टर्ड थे। इसमें से 669 आए और 110 अनुपस्थित रहे। वहीं भूगोल में 6369 छात्र नियमित छात्र रजिस्टर्ड थे। इसमें से परीक्षा देने सिर्फ 6 हजार 257 ही आए। 112 अनुपस्थित रहे। स्वाध्यायी छात्रों में कुल 819 रजिस्टर्ड थे। इसें से 110 परीक्षा देने नहीं आए।

दो पालियों में आयोजित हुई परीक्षा : 12 वीं बोर्ड की परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। सुबह प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9 बजे से 12 बजे तक रसायन शास्त्र की आयोजित की गई। इसी तरह दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक आयोजित की गई।

प्रवेश के पहले हुई थर्मल स्क्रीनिंग

बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को कक्षा में प्रवेश के पहले जांच से गुजरना पड़ा। छात्रों की जांच के लिए कर्मचारियों को तैनात किया गया था। छात्रों को सेनेटाइज करने के साथ ही थर्मल स्क्रीनिंग भी की गई। कक्ष में सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन किया गया। एक बेंच पर सिर्फ एक छात्र को ही बैठाया गया।

अधिकारियों के पैनल ने किया निरीक्षण

परीक्षा केन्द्रों में नकल रोकने और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए अधिकारियों की टीम गठित की गई थी। इसमें जिला शिक्षा अधिकारी की टीम ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक/ कन्या लालगांव, शासकीय हाई स्कूल जमुई, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक त्योंथर एवं द्वितीय पैनल ने शाउमावि लक्ष्मणपुर, सिलपरा और गोविंदगढ़ स्कूल का निरीक्षण किया। तीसरे पैनल ने उमादत्त उमावि ढेकहा, शाउमावि कन्या एसके एवं सेंट्रल एकेडमी स्कूल का निरीक्षण किया। कहीं भी नकल प्रकरण नहीं मिले।

अंदर सोशल डिस्टेंसिंग बाहर सब तार-तार : परीक्षा देने आए छात्रों के साथ उनके अभिभावक और रिश्तेदार भी पहुंचे थे। परीक्षा हाल के अंदर तो सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क का पालन कराया गया, लेकिन बाहर सब तार तार रहा। परीक्षा केन्द्र के बाहर सोशल डिस्टेंसिंग नजर नहीं आई। अभिभावकों के चेहरे पर मास्क भी नहीं था। इन्हें समझाइश देने वाले भी नजर नहीं आए।

अव्यवस्थाओं के बीच प्रारंभ हुई बोर्ड परीक्षा

भीषण गर्मी के बीच परीक्षार्थी रहे परेशान

नईगढ़ी ब्यूरो। महामारी के बीच प्रारंभ हुई बोर्ड परीक्षा में प्रशासनिक सभी व्यवस्थाएं धरी की धरी रह गई। मंगलवार को प्रदेश के हर कोने की तरह जिले के नईगढ़ी विकासखंड में भी बनाए गए परीक्षा केंद्रों में कक्षा 12वीं की परीक्षाएं दो पारियों में संचालित हुई। सुबह की पाली में संचालित परीक्षाओं में छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जहां उत्कृष्ट विद्यालय सहित परीक्षा केंद्र भीर एवं बंधवा में आलम कुछ इस कदर देखने को मिला जहां अन्य व्यवस्थाएं तो दूर एक पंखा तक की व्यवस्था न किए जाने से परीक्षा गर्मी छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के बीच शासन के आदेश अनुसार नियत समय पर परीक्षा देने छात्र पहुंचे, लेकिन सोशल डिस्टेंसिंग के नियम कायदे धरे के धरे रह गए। इधर परीक्षा उपरांत परीक्षा केंद्रों से निकले छात्र छात्राओं ने अपना एवं अपने परीक्षा केंद्र का नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जहां बैठक व्यवस्था में पर्याप्त सोशल डिस्टेंस की व्यवस्था नहीं की गई है वहीं कहीं-कहीं विद्यालय के कमरों में पंखे तो लगे हैं लेकिन विद्युत कनेक्शन न होने के कारण परीक्षा केंद्रों के पंखे नहीं चले जिसके कारण उमस भरे माहौल में कठिनाइयों के बीच परीक्षा देना पडा। इतना ही नहीं सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर विद्यालय में सभी व्यवस्थाओं के लिए हर वर्ष शासन स्तर पर कन्टर्जेंसी के रूप में बड़ी राशि जारी की जाती है लेकिन यह राशि कहां खर्च हो जाती है, जांच का विषय है।

पहले स्क्रीनिंग फिर परीक्षा

कोरोना वायरस जैसी महामारी को ध्यान में रखते हुए शासन के गाइडलाइन अनुसार परीक्षा देने पहुंचे छात्र-छात्राओं का सभी परीक्षा केंद्रों में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा पहले स्क्रीनिंग माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तदुपरांत बच्चों के हाथ धुलाए गए। वहीं समय-समय पर सेनीटाइजर आदि का भी प्रयोग कराया गया। इन सभी कार्यो के लिए तहसीलदार नईगढ़ी द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी नजर रखी गई जिसके चलते व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त बन पाई।

मोबाइल ऑन ड्यूटी में तैनात रहे शिक्षक

परीक्षा के दौरान कई परीक्षा केंद्रों में तैनात जिम्मेदारों की मनमानी से ड्यूटी दे रहे कई शिक्षकों के मोबाइल परीक्षा केंद्र के अंदर ही चालू रहे। जबकि नियमानुसार सभी शिक्षकों एवं परीक्षा केंद्र से जुड़े कर्मचारियों के मोबाइल जमा करा लिए जाने के नियम है। यदि उच्च स्तरीय अधिकारियों द्वारा परीक्षा के दौरान ड्यूटी दे रहे जिम्मेदार प्राचार्यो एवं शिक्षकों के मोबाइल का लोकेशन लिया जाए तो परीक्षा केंद्र के अंदर चालू रहे मोबाइलों की जानकारी अपने आप सामने आ जाएगी। गौरतलब है कि हाल ही में नईगढ़ी जनपद शिक्षा केंद्र के हायर सेकंडरी विद्यालय बंधवा परीक्षा केंद्र में संचालित बोर्ड परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र के ही अंदर से मोबाइल के माध्यम से पेपर भेजे जाने का मामला प्रकाश में आया था जिस पर केंद्राध्यक्ष सहित एक शिक्षक पर आरोप लगे थे।

बोले जिम्मेदार

प्रथम पाली की परीक्षा में कुछ कमरों में विद्युत खराबी के कारण पंखे नहीं चल पाए जिन्हें परीक्षा उपरांत सुधार करा दिया गया है। दूसरी पाली में सभी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त कर दी गई है।

सुरेश कुमार शर्मा
प्रभारी प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नईगढ़ी

नए सत्र के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू
31 जुलाई से पहले करें अप्लाई

इग्नू अपडेट

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (IGNOU) ने शैक्षिक सत्र 2020 के कोर्सों के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इग्नू के किसी कोर्स में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी 31 जुलाई 2020 से पहले इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। जिन कार्यक्रमों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हुए हैं उनमें मास्टर डिग्री, स्नातक डिग्री, पीजी डिप्लोमा, पीजी सर्टिफिकेट और सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स और अप्रेसिएशन लेवल के कार्यक्रम शामिल हैं। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार इन प्रोग्राम्स के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के लिए ignou.an.in पर जाकर 31 जुलाई 2020 से पहले रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

पीड़ित परिवार को मिले अनुकंपा नियुक्त, एरियर की दे तीसरी किस्त

बड़वाह | आजाद अध्यापक संघ के प्रांत अध्यक्ष शिवराज वर्मा ने मुख्यमंत्री को एक पत्र प्रेषित कर अध्यापकों की समस्याओं के निराकरण की मांग की। उन्होंने कहा- विश्व कोरोना महामारी की मार को झेल रहा है। सरकार सभी तबके को राहत प्रदान कर रही है। शिक्षक अध्यापकों को भी उनकी आर्थिक मांगों को भी पूरा करना चाहिए। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल जयश्री कियावत व आयुक्त महोदय आदिम जाति कल्याण विभाग भोपाल को पत्र प्रेषित कर निम्न मांगें रखी गई। इसमें छठे वेतन के एरियर की तीसरी किस्त दें। सातवें वेतन के लाभ के साथ शीघ्र ही सातवें के एरियर का भुगतान किया जाए।

ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी अब 30 सितंबर तक वैध

नई दिल्ली | केंद्र ने ड्राइविंग लाइसेंस समेत वाहनों से जुड़े सभी कागजात की वैधता 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। मंगलवार को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा, लाइसेंस, परमिट, फिटनेस, पंजीकरण या अन्य जिन दस्तावेजों की समय सीमा खत्म हो रही है वे 30 सितंबर तक मान्य माने जाएंगे। पहले यह अवधि 30 जून तक बढ़ाई गई थी।

राज्यस्तरीय पुरस्कार के लिए आवेदन शुरू, छात्र-शिक्षकों को मिलेगा सम्मान

APPLICATION INVITED

सिटी रिपोर्टर . ग्वालियर

यदि आप राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। राज्य शासन की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से जुड़े स्कूल, कॉलेज के स्टूडेंट्स और शिक्षक राज्यस्तरीय सम्मान के लिए आवेदन कर सकते हैं। सम्मान के लिए आवेदन प्रक्रिया दो चरण में रहेगी। पहले चरण में शिक्षण संस्थानों से प्रतिभागी का नाम का चयन किया जाएगा। इसके बाद चयनित होने वाले सदस्यों के नाम शिक्षण संस्थानों की ओर से राज्य सरकार को भेजे जाएंगे। राज्य सरकार को आवेदन भेजने की अंतिम तिथि 25 जुलाई निर्धारित की गई है। राज्य शासन कुल 45 पुरस्कार प्रदान करेगा।

- **1969** से प्रदेश में हुई थी एनएसएस की शुरुआत।
- **153700** के करीब एनएसएस के सदस्य हैं प्रदेशभर में।

1 कमरे में 8 परीक्षार्थी का नियम, बैठाए 40; बाहर सोशल डिस्टेंसिंग, अंदर नहीं

12वीं बोर्ड परीक्षा : गोल घेरे में खड़ेकर दिया प्रवेश

भास्कर संवाददाता | खरगोन

कमरे में आठ से ज्यादा विद्यार्थियों को बैठा दिया

हायर सेकंडरी की शेष परीक्षा के पहले दिन ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया गया। केंद्र के बाहर विद्यार्थियों को गोल घेरे में खड़ाकर प्रवेश दिया और स्क्रीनिंग हुई, लेकिन अंदर एक कमरे में 40 विद्यार्थियों को बैठाया गया, जबकि नियम अनुसार 8 विद्यार्थियों को ही बैठाना था।

केंद्रों पर मंगलवार को सुबह 7.30 बजे ही विद्यार्थी पहुंच गए। यहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए प्रवेश दिया गया। गेट पर स्क्रीनिंग हुई। इसमें किसी में लक्षण नहीं मिले। अंदर कमरों में छह फीट की दूरी पर बैठाना था, लेकिन तीन फीट की दूरी पर ही परीक्षा दिलाई। डीईओ केके डोंगरे ने बताया कि नियमों का पालन किया गया है। कुछ कमरों में जगह की कमी थी। आगे ध्यान रखा जाएगा।

दो पालियों में हुई परीक्षा : सुबह 9 से 12 व दोपहर 2 से 5 बजे तक जिलेभर में 90 केंद्रों में परीक्षा हुई। इसमें पहला पेपर रसायन शास्त्र का था। इसमें नियमित 5936 विद्यार्थी शामिल हुए, जबकि 34 अनुपस्थित थे। स्वाध्यायी 928 में से 793 शामिल हुए। 133 अनुपस्थित रहे। जबकि दूसरी पाली में भूगोल का पेपर हुआ। इसमें 634 में से 611 विद्यार्थी शामिल हुए। स्वाध्यायी 108 विद्यार्थियों में से 91 ने परीक्षा दी। किसी का नकल प्रकरण नहीं बना।

कंटेनमेंट से आए परीक्षार्थी को आइसोलेशन कक्ष में बैठाया, एक पर्यवेक्षक तैनात

बोर्ड परीक्षा : 12वीं के शेष बचे प्रश्न पत्रों की परीक्षा शुरू

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

मंगलवार सुबह 8.10 बजे माधव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में परीक्षार्थियों के आने का क्रम शुरू हो गया। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से था लेकिन पहली बार परीक्षार्थियों को एक घंटे पहले केंद्र पर बुलाया था। वे केंद्र में दाखिल हुए तो प्रवेश द्वार पर सोशल डिस्टेंसिंग के लिए एक-एक मीटर पर गोल घेरे बने दिखाई दिए। वे घेरे में खड़े हुए तो थर्मल स्कैनर से तापमान जांचा। शहर के एक केंद्र खालसा उमावि दूधतलाई में एक छात्र को आइसोलेट किया था। यह पहला मौका था जब किसी परीक्षार्थी के लिए आइसोलेशन कक्ष बनाया था। वह छात्र कंटेनमेंट एरिया से आया था। इसी तरह तराना के दो स्कूलों में तीन विद्यार्थियों को आईसोलेट किया था। इनके लिए एक-एक पर्यवेक्षक भी तैनात किए थे। मंगलवार से 12वीं के शेष बचे प्रश्न पत्रों की परीक्षा शुरू हो गई। जिला शिक्षा अधिकारी रमा नाहटे का कहना है हर केंद्र पर पर्याप्त मात्रा में सैनिटाइजर, हाथ धोने का साबुन, मास्क रखे गए। हर परीक्षार्थी का थर्मल स्कैनर से तापमान मापा गया। जिले के 90 केंद्रों पर परीक्षा हुई। परीक्षा दो पारी में हुई। कक्ष को सैनिटाइज करने के बाद ही प्रवेश दिया।

माधव कॉलेज के परीक्षा हॉल में विद्यार्थियों को एक मीटर की दूरी पर बैठाया।

पहली से ज्यादा दूसरी पारी में गैरहाजिर रहे परीक्षार्थी

पहली पारी : सुबह 9 से दोपहर 12 बजे

विषय- रसायन

दर्ज	उपस्थित	अनुपस्थित
6086	5856	230

दूसरी पारी : दोपहर 2 से शाम 5 बजे

विषय- भूगोल

दर्ज	उपस्थित	अनुपस्थित
4320	4067	253

दो दलों ने केंद्रों का जायजा लिया

परीक्षा कक्षों का जायजा लेने के लिए दो अलग दल बनाए थे। इन दो दलों ने जिले के 48 केंद्रों का निरीक्षण किया। जिला शिक्षा अधिकारी रमा नाहटे और सहायक संचालक अभय तोमर के दल ने 23 केंद्र उज्जैन व तराना विकासखंड के देखे। एडीपीसी आरएमएसए गिरीश तिवारी के दल ने उज्जैन, बड़नगर, नागदा, खाचरौद के 25 केंद्रों का अवलोकन किया। तिवारी ने बताया सभी जगह कोविड-19 को देखते हुए पूरी चाक चौबंद व्यवस्था मिली। सभी जगह सीएमएचओ के जरिए स्वास्थ्यकर्मी तैनात थे, जिन्होंने हर परीक्षार्थी का तापमान जांचा। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए बैठक व्यवस्था की गई थी। सभी कर्मचारी और परीक्षार्थी मास्क लगाए थे।

शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को भी कोरोना योद्धा का लाभ देने की मांग

उज्जैन | एक माह से शिक्षक साथी शहर के 54 वार्डों में डोर टू डोर सर्वे कर रहे हैं। वे संक्रमण के लक्षणों की जानकारी लेने व जनजागरूकता का अहम काम कर रहे हैं। लगातार सर्वे करने से हमारे कई साथी बीमार व तनावग्रस्त होने लगे हैं।

प्रांतीय शिक्षक संघ जिला का प्रतिनिधिमंडल कैलाश बारोड़ की अगुवाई में सिंहस्थ मेला कार्यालय जाकर कलेक्टर आशीष सिंह से मिला। उन्होंने कहा अन्य विभाग के कर्मचारियों की तरह शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को भी कोरोना योद्धा का लाभ दिया जाए। बारोड़ का कहना है कलेक्टर ने कहा ऐसी कोई घटना होती है तो शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को भी कोरोना योद्धा का लाभ दिया जाएगा।

परीक्षा खत्म होते ही सीधे घर जाने का था आदेश, ग्रुप बनाकर खड़े रहे विद्यार्थी

परीक्षा केंद्र के बाहर इस तरह झुंड बनाकर खड़े बच्चे।

डीईओ बोले- अब ऐसी स्थिति नहीं बनेगी, केंद्रों का निरीक्षण करने कलेक्टर भी पहुंचे

भास्कर संवाददाता | धार

कोरोना डर के बीच 12वीं बोर्ड के बच्चों ने परीक्षा दी। मंगलवार को केमेस्ट्री व भूगोल का पेपर था। सुबह 9 से 12 व दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक जिले के 111 परीक्षा केंद्रों पर 8 हजार 587 दर्ज बच्चों में से 8 हजार 152 बच्चों ने परीक्षा दी। 265 बच्चे अनुपस्थित रहे। 21 स्थानांनतरित परीक्षार्थी शामिल हुए।

शासन के आदेश के मुताबिक परीक्षा देने के बाद बच्चों को सीधे घर जाना था, लेकिन अधिकांश बच्चे ग्रुप बनाकर केंद्र के बाहर खड़े रहे। रतलाम रोड स्थित शासकीय स्कूलों में यह स्थिति बनी। मौके पर पुलिस होने का असर तक बच्चों पर नहीं पड़ा। डीईओ दिनेश दुबे ने कहा अब केंद्रों पर ऐसी स्थिति नहीं बनेगी। पेपर होने के बाद बच्चों को सीधे घर रवाना करने के लिए एक कर्मचारी की ड्यूटी लगाई जाएगी।

परीक्षा देकर लौटे बच्चों ने कहा- कोरोना का डर तो बेहद था। इसलिए मास्क लगाकर और पानी की बोतल साथ लेकर पहुंचे। अंदर जाने से पहले भी स्क्रीनिंग की गई। उसके बाद कक्ष में बैठाया गया। इधर कलेक्टर आलोककुमार सिंह ने भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षों की व्यवस्था देखी। साथ ही कहा सभी परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड के निर्देशों के अनुरूप व्यवस्था की जाए।

कोरोना संक्रमित बच्चों के लिए अलग से होगी परीक्षा

कोरोना का शिकार हुए बच्चों के लिए अलग से परीक्षा होगी। माशिमं ने इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि कोरोना संक्रमित बच्चे, वे बच्चे जिनकी उपचार के बाद रिपोर्ट निगेटिव आई है, स्वयं परीक्षार्थी या उनके परिवार में से कोई क्वारंटाइन है, दृष्टिहीन, मूकबधिर बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए उनकी अलग से परीक्षा आयोजित की जाएगी। साथ ही विशेष परीक्षा में शामिल होने के बाद एक विषय में अनुत्तीर्ण होता है तो उसे मंडल की पूरक परीक्षा में शामिल होने की पात्रता होगी। विशेष परीक्षा में शामिल होने के लिए परीक्षार्थी को उसका या उसके परिवार के सदस्य का डिस्चार्ज या क्वारंटाइन सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना होगा।

12वीं बोर्ड की परीक्षा • प्रशासन की दिखी लापरवाही, अन्य जिलों के 87 विद्यार्थियों ने ब्लॉक के तीन केंद्रों पर दी परीक्षा

परीक्षा केंद्र पर सोशल डिस्टेंसिंग व मास्क पहनाकर बनाई दूरी, केंद्र के बाहर तैयारी नहीं, भीड़ से लगा जाम

भास्कर संवाददाता | सनावद

हायर सेकंडरी बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षा कोरोना महामारी लॉकडाउन के कारण से मार्च में स्थगित कर दी गई थी। शेष बचे हुए विषयों की परीक्षा मंगलवार से शुरू हुई। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों को पर्चा हल करने के पहले स्क्रीनिंग कर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए कक्षाओं में प्रवेश दिया। मास्क लगाकर दूरी बनाई गई लेकिन परीक्षा होने के बाद केंद्र के बाहर पहुंचे विद्यार्थियों की भीड़ इतनी लग गई कि जवाहर मार्ग स्थित शासकीय कन्या उमावि के बाहर जाम की स्थिति बन गई। यहां पर प्रशासन ने भीड़ को हटाने के लिए न तो जवान की व्यवस्था कराई न ही कोई नियमों का पालन करता हुआ दिखाई दिया, जबकि शहर में रोजाना पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसके बाद भी यह स्थिति बड़े खतरे का संकेत दे रही है।

शहर की शासकीय बालक उमावि, शासकीय कन्या उमावि सहित अन्य परीक्षा केंद्रों पर सुबह रसायन शास्त्र व दोपहर में भूगोल का प्रश्नपत्र हुआ। कुल दर्ज 86 में से 74 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। पहले दिन जिला शिक्षा अधिकारी केके डोंगरे व बीईओ सुषमा सोलंकी ने केंद्र का निरीक्षण किया। प्रत्येक कक्ष में निश्चित दूरी का ध्यान रखते हुए एक कक्ष में 12 छात्र ही बैठाए गए।

परिवार के तीन सदस्य थे पॉजिटिव, एक छात्रा की बाद में होगी परीक्षा

बीईओ सुषमा सोलंकी ने बताया सनावद शासकीय कन्या उमावि केंद्र पर एक छात्रा को परीक्षा से वंचित रहना पड़ा क्योंकि सनावद निवासी छात्रा के परिवार के तीन सदस्य कोरोना पॉजिटिव थे। इसके लिए शासन के नियमों का पालन करते हुए उस छात्रा के पिता से चर्चा करके उसे केंद्र पर आने से मना किया। आगामी आदेश पर उसकी परीक्षा होगी।

ये लापरवाही भारी न पड़ जाए... भीड़ कम करने के लिए जवान तक तैनात नहीं

परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़ के कारण लगा जाम।

16 केंद्रों पर 51 विद्यार्थी नहीं आए, स्क्रीनिंग कर 6 फीट दूर पर बैठाया

बड़वाह | ब्लॉक के 16 केंद्रों पर विद्यार्थियों को थर्मल मशीन से जांच करके प्रवेश दिया। जिला शिक्षा अधिकारी केके डोंगरे, बीईओ सुषमा सोलंकी, परीक्षा प्रभारी पर्वेंद्र जोशी ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। 16 केंद्रों पर पहली शिफ्ट में रसायन विज्ञान के दर्ज 1455 विद्यार्थियों में से 1404 छात्र-छात्राओं ने केमिस्ट्री का पर्चा हल किया। शेष 51 विद्यार्थी अनुपस्थित थे। दोपहर में दर्ज 160 विद्यार्थियों ने भूगोल का पर्चा हल किया। कक्षा में परीक्षार्थियों को कम से कम 6 फीट की दूरी पर बैठाया गया। छात्रा सविता शर्मा, डाली पंवार, जयश्री, जया ने बताया इस महामारी के कारण हमारे दो पेपर शेष रह गए थे। जैसे ही हमें परीक्षा के बारे में पता चला तो हमने पढ़ाई करना शुरू की। आज पेपर बहुत सरल आया। दो घंटे में ही पेपर हल कर दिया था।

40 में से 38 ने किया पर्चा हल

करही | नगर के शासकीय बालक उमावि के परीक्षा केंद्र पर सुबह 7.30 बजे डॉ. आकाश पटीदार, डॉ. शीतल रोकड़े व स्वास्थ्यकर्मियों ने केंद्र पर परीक्षा देने आए विद्यार्थियों के पहले सैनिटाइज से हाथ साफ कराए। स्क्रीनिंग व स्वास्थ्य परीक्षण किया। केंद्र पर दर्ज 40 विद्यार्थियों में से 38 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। 2 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। शाकउमावि केंद्र पर मेडिकल ऑफिसर डॉ. संजय पंवार, डॉ. साहू जोशी व स्वास्थ्यकर्मियों ने सुबह 9 बजे तक विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। केंद्र पर 79 विद्यार्थियों ने रसायन शास्त्र की प्रश्न पत्र हल किया। दोपहर की पाली में शासकीय बालक उमावि केंद्र पर भूगोल की परीक्षा हुई। इसमें 26 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

छात्रों का स्क्रीनिंग कर शारीरिक तापमान लिया, फिर परीक्षा दी

बलकवाड़ा | हायर सेकंडरी स्कूल की परीक्षा के पहले स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। परीक्षा 16 जून तक चलेगी। अलग-अलग संकाय के चार विषय के पेपर होंगे। परीक्षा के पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चोली की टीम ने विद्यार्थियों व शिक्षकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रशांत जैन ने बताया सभी बच्चों व स्टाफ की स्क्रीनिंग कर शारीरिक तापमान लिया। सर्दी खांसी के लक्षण देखे गए जो सामान्य पाए गए। परीक्षा प्रभारी एसडी पाटीदार व केंद्र अध्यक्ष आरसी मिश्रा ने बताया बच्चों को सैनिटाइज कर मास्क वितरित किए। शारीरिक दूरी बनाकर बैठक व्यवस्था की। हेमंत जोशी ने बताया बलकवाड़ा केंद्र पर कुल 77 छात्र परीक्षा दे रहे हैं। जिनमें से 9 बच्चे बड़वानी जिले व 67 बच्चे यहां पर परीक्षा दे रहे हैं।

मास्क पहनकर विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

ठरसगांव | ग्राम की शासकीय हाईस्कूल में कक्षा 12 वीं की परीक्षा हुई। प्रभारी प्राचार्य रमेश आर्य ने बताया परीक्षार्थी केंद्र पर 1 घंटे पूर्व पहुंचे। सभी विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें सैनिटाइज किया। सोशल डिस्टेंस का पालन कर एक बेंच पर एक विद्यार्थी को परीक्षा में बैठाया गया। इस दौरान परीक्षा केंद्र प्रभारी संतोष नामदेव, जनशिक्षक नसीम खान, स्वास्थ्य विभाग के शैलेंद्र जायसवाल, संजय नागर, अनिल पाटील, संतोष भालसे, महेश कनाड़े, प्रेमलाल बिरला उपस्थित थे।

विद्यार्थियों की जांच कर किया सैनिटाइज

पाडल्या | नगर के शासकीय कन्या उमावि व शासकीय बालक उमावि केंद्र पर विद्यार्थियों ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर कक्ष में प्रवेश किया। केंद्राध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव ने बताया केंद्र पर कुल दर्ज 79 विद्यार्थी शत प्रतिशत उपस्थित रहे। शासकीय बालक उमावि के केंद्राध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया कुल दर्ज संख्या 40 में से 2 परीक्षार्थी स्थानांतरित रहे। 38 ने परीक्षा दी। कोई नकल प्रकरण नहीं बना। डॉ. साहू जोशी, डॉ. संजय पंवार, हेमलता वर्मा, मनोरमा पाल, डॉ. शीतल रोकड़े, डॉ. आकाश पटीदार, नेहा कुशवाह, मनोज कुशवाह ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

सैनिटाइज कर परीक्षा कक्ष में प्रवेश

मंडलेश्वर | मंगलवार से महीनों के बचे हुए प्रश्न पत्रों की परीक्षा शुरू हुई। परीक्षार्थी केंद्र पर 1 घंटे पूर्व पहुंचे। नगर पालिका के कर्मचारियों ने उनके हाथ सैनिटाइज किए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण कर कक्ष में प्रवेश दिया। सभी विद्यार्थियों के लिए मास्क लगाना अनिवार्य था। जिसका पालन किया।

विद्यार्थियों ने हल किया प्रश्न पत्र

बिटनिया बुजुर्ग | प्रभारी प्राचार्य रेवाराम वर्मा ने बताया 110 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। सभी विद्यार्थियों को पर्याप्त दूरी पर बैठाया गया। मास्क अनिवार्य रूप से लगाकर सैनिटाइज किया गया। सभी विद्यार्थी स्वस्थ पाए गए।

इधर, थर्मल स्क्रीनिंग व पल्स रेट जांचने के बाद दिया प्रवेश

महेश्वर में एक बेंच छोड़, भगवानपुरा में डेढ़ फीट की दूरी पर ही बैठाया

महेश्वर. सोशल डिस्टेंसिंग के बीच विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

महेश्वर/भगवानपुरा | सोशल डिस्टेंसिंग के लिए महेश्वर में एक बेंच छोड़कर विद्यार्थियों को बैठाया गया, वहीं भगवानपुरा में डेढ़ फीट की दूरी पर ही बैठकर विद्यार्थियों ने पर्चा हल किया। शासकीय बालक उमावि महेश्वर के केंद्राध्यक्ष बलराम भवर ने बताया सुबह की पाली में 147 में से 135 व दोपहर में 22 में से 17 विद्यार्थी उपस्थित रहे। कन्या उमावि महेश्वर केंद्राध्यक्ष यशवंत कानूनगो के अनुसार 120 में से 118 विद्यार्थियों ने पर्चा हल किया। भगवानपुरा के हायर सेकंडरी स्कूल में स्वाध्यायी व कन्या हाईस्कूल में नियमित परीक्षार्थी शामिल हुए। प्रभारी प्राचार्य सुमेरसिंह जाधव, शिक्षक महेश कुशवाह व हायर सेकंडरी केंद्राध्यक्ष केरसिंह डावर ने बताया 68 में से 57 विद्यार्थी शामिल हुए। वहीं कन्या हाईस्कूल में 150 में से 148 विद्यार्थियों ने पर्चा हल किया।

भीकनगांव व कसरावद के तीन-तीन व बिस्टान के एक केंद्र पर हुई परीक्षा

भीकनगांव/कसरावद/बिस्टान | उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य मनोज श्रीवास ने बताया भीकनगांव में 3 केंद्र पर परीक्षा हुई। उत्कृष्ट स्कूल में सुबह 42 में से 31 व दोपहर में 11 में से 9, सेंट मेरी स्कूल में सुबह 150 में से 145 और कन्या शाला में सुबह सभी 93 व दोपहर में दर्ज 3 विद्यार्थी मौजूद रहे। कसरावद के शासकीय कन्या स्कूल में 112 में से 111 और उत्कृष्ट विद्यालय में 156 में से 143 परीक्षार्थी शामिल हुए। सरदार वल्लभभाई पटेल स्कूल में सुबह 139 में से 138 और दोपहर की पाली में सभी 30 परीक्षार्थी मौजूद रहे। बिस्टान के शासकीय बालक उमावि में रसायन शास्त्र के पर्चे में 84 दर्ज विद्यार्थियों में से 2 अनुपस्थित रहे।

बोरावां व खामखेड़ा में सभी विद्यार्थी शामिल

खामखेड़ा/बोरावां | शासकीय उमावि खामखेड़ा व उमावि बोरावां में रसायन शास्त्र के पर्चे में सभी दर्ज परीक्षार्थी शामिल हुए। खामखेड़ा स्कूल को दो दिन पहले से सैनिटाइज किया गया। केंद्राध्यक्ष रामकुमार शर्मा ने बताया जांच के बाद दर्ज 29 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। सहायक केंद्राध्यक्ष संजय पाटन, गणेश सेन, गोवर्धनसिंह तंवर, दीपक मंडलोई, रमेश चौहान ने व्यवस्था संभाली। बोरावां के केंद्राध्यक्ष मोतीलाल मुजाल्दे ने बताया दर्ज 36 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। सहायक केंद्राध्यक्ष कालीराम पटेल व दिलीप सकाले ने बताया सोशल डिस्टेंसिंग के बीच एक कक्ष में 12 विद्यार्थियों को बैठाया गया। जबकि लॉकडाउन से पहले हुए पर्चे एक कक्ष में 40 ने परीक्षा दी थी।

परीक्षा • जिले के परीक्षा केंद्रों पर साइंस संकाय में केमेस्ट्री का पर्चा हुआ, गंधवानी के एक केंद्र पर अन्य जिलों के 42 परीक्षार्थी हुए शामिल

थर्मल स्क्रीनिंग व सैनिटाइजर से हाथ धुलाने के बाद ही विद्यार्थियों को दिया प्रवेश, एक टेबल छोड़कर बैठाया

अमझेरा. परीक्षा हाल में बच्चों को दूर-दूर बैठाया गया।

भास्कर संवाददाता | अमझेरा

मंगलवार से हायर सेकंडरी की शेष रह गए विषयों की परीक्षाएं शुरू हुईं। सरकार की गाइडलाइन का पालन किया गया। अमझेरा में कन्या शाला हाई स्कूल तथा हायर सेकंडरी स्कूल में परीक्षा हुई। परीक्षा हाल में जाने से पहले विद्यार्थियों की जांच की। हाल में एक टेबल छोड़ कर बैठाया। परीक्षा सुबह 9 से दोपहर 12 बजे एवं दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक हुई। धार से आए केंद्राध्यक्ष ओमप्रकाश दया, डही से आए अरुण कुशवाह ने बताया पहले दिन 71 विद्यार्थी शामिल हुए।

16 जून तक परीक्षा चलेगी। पंचायत सचिव रूगनाथ सिंह चौहान ने बताया परीक्षा हाल में प्रतिदिन सैनिटाइजर किया जाएगा। प्राचार्य रमेश दोहरे ने बताया शासकीय उमावि परीक्षा केंद्र में बुधवार को कामर्स संकाय में बुक कीपिंग एंड अकाउंटेंसी का पेपर होगा। जो सुबह 9 से 12 बजे तक होगा। 24 विद्यार्थी शामिल होंगे। जहां सैनिटाइजर किया जाएगा। सोशल डिस्टेंसिंग के पालन का विशेष ख्याल रखा जाएगा।

परीक्षार्थी मास्क पहनकर आए, साथ में लाए पीने का पानी

केसूर | परीक्षा के पूर्व 52 छात्र-छात्राओं तथा परीक्षा लेने वाले शिक्षकों की स्क्रीनिंग स्वास्थ्य विभाग ने की। परीक्षार्थी मुंह पर मास्क पहन कर अपने साथ पानी की बोतल साथ लाए। स्वास्थ्य विभाग की आशा चौहान ने बताया परीक्षार्थियों को कोरोना वायरस से बचने की सलाह दी।

शाउमावि खाचरोदा में केंद्राध्यक्ष भारत जांचपुरे, सहायक दिलीप डोडवे की उपस्थिति में परीक्षा हुई। कुल 136 में से 134 विद्यार्थी शामिल हुए। 78 अंग्रेजी माध्यम, 56 हिंदी माध्यम में परीक्षा दी। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से 4 लोगों की ड्यूटी लगाई थी। जन स्वास्थ्य केंद्र खाचरोदा से किरण रघुवंशी, स्वास्थ्य निरीक्षक वीरेंद्र सिसौदिया, आशा कार्यकर्ता द्वारा बच्चों के नाम लिख कर थर्मल स्क्रीनिंग की। सैनिटाइजर से हाथ भी धुलवाए।

केसूर. परीक्षा के पूर्व स्क्रीनिंग करते डॉक्टर।

28 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा, पहले कराई जांच

नागदा | शाउमावि में परीक्षा के पूर्व डॉ. खुरबु पाटीदार, एएनएम बिंदु चौधरी, आशा सहयोगी चंद्रकांता आदि ने विद्यार्थियों की थर्मल स्क्रीनिंग की। सीबी वर्गीस व शिक्षक सोहन परमार ने निःशुल्क मास्क बांटे। केंद्राध्यक्ष रघुवंशी ने बताया पहले दिन 28 विद्यार्थियों ने केमेस्ट्री का पेपर दिया। केंद्र पर सैनिटाइजर, मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर पूरी सतर्कता रखी। पंचायत सचिव पाटीदार, सहायक सचिव शाहनवाज मेव ने बताया सुरक्षा की दृष्टि से प्रतिदिन परीक्षा कक्ष व संस्था परिसर को सैनिटाइज किया जा रहा है।

विद्यार्थियों की स्क्रीनिंग कर साबुन से हाथ धुलवाए

पड़ियाल. सोशल डिस्टेंसिंग से जांच कर कक्षों में भेजा।

पड़ियाल | शाउमावि पड़ियाल में सुबह 9 बजे से परीक्षा शुरू हुई। पहला पेपर केमेस्ट्री का था। केंद्राध्यक्ष एसआर केवट (बाकानेर), सहायक केंद्राध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा लेक्चरर (बाग) ने बताया 42 छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी कक्ष में सैनिटाइजर का छिड़काव किया। परीक्षा हॉल में जाने से पहले साथ ही छात्रों की स्क्रीनिंग एवं सैनिटाइजर कर साबुन से हाथ धुलवाए। स्वास्थ्य विभाग के सीएचओ डॉ. सोनिया मालाकार, एएनएम लुमा डावर, आशा कारा अलावा ने सभी विद्यार्थियों की जांच की। डही बीईओ सतीशचंद्र पाटीदार ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के निर्देश दिए।

थर्मल स्क्रीनिंग के बाद कक्ष में पहुंचे विद्यार्थी

परीक्षा केंद्र के बाहर विद्यार्थियों की स्क्रीनिंग की गई।

राजोद | मंगलवार से 12वीं की परीक्षा शुरू हो गई। परीक्षा केंद्र रानीखेड़ी हासे स्कूल में पहुंचे विद्यार्थियों की स्वास्थ्य विभाग के रमेश भूरिया, अंबिका पाटीदार ने थर्मल स्क्रीनिंग कर शरीर का तापमान चेक किया। केंद्राध्यक्ष गणेश प्रसाद, सहायक केंद्राध्यक्ष नगमा ने बताया परीक्षा में रसायन विज्ञान का पेपर था। केंद्र पर 199 में से 198 परीक्षार्थी शामिल हुए। स्कूल के केसी बैरागी, एमएम उपाध्याय ने रोल नंबर अनुसार अलग-अलग कक्षों में भेजा। बस स्टैंड स्थित कन्या हासे स्कूल में स्क्रीनिंग कर मास्क बांटे। केंद्राध्यक्ष अमरसिंह ने बताया केंद्र पर 74 विद्यार्थियों में से 72 ने परीक्षा में शामिल हुए। संस्था प्राचार्य जेके शर्मा, नंदराम, प्रहलाद पाटीदार मौजूद थे।

तीन सेंटर पर केमिस्ट्री का पेपर हुआ

गंधवानी. परीक्षा के पहले थर्मल स्क्रीनिंग की गई।

गंधवानी | शाउमावि में 12वीं कक्षा में केमिस्ट्री पेपर की परीक्षा छात्र-छात्राओं ने दी। सभी छात्र-छात्राओं की डॉ. आकाश जमरा ने थर्मल स्क्रीनिंग की। सभी स्वस्थ पाए गए। दूसरा परीक्षा सेंटर कोसदना और तीसरा जिराबाद था। वहां भी जांच की गई। केंद्राध्यक्ष वीके कुमारिया और सहायक केंद्राध्यक्ष लाल सिंह जर्मन ने बताया गंधवानी के शासकीय कन्या हाई स्कूल में 90 परीक्षार्थियों में से 87 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। इस परीक्षा में अन्य जिलों के 42 बच्चे भी शामिल हुए। चार कक्षों में बैठक व्यवस्था की थी। पांच पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए।

एम्पलाइ कोड जारी नहीं होने से अटका अध्यापकों का वेतन, जारी करने की मांग

सागर | लोक शिक्षण आयुक्त द्वारा आदेश जारी किया गया है कि अध्यापक संवर्ग को मई पेड जून का वेतन भुगतान एम्पाइज कोड आईएफएमआईएस जनरेट होने के बाद ही किया जाए। जिले के विभिन्न विकासखंडों में यह प्रक्रिया जारी है, लेकिन सागर विकासखंड में बेहद धीमी गति से काम चल रहा है। इस कारण अब तक अध्यापक संवर्ग को वेतन का भुगतान नहीं हो पाया है। आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को इस प्रक्रिया में सरलीकरण लाने के आदेश देने की मांग डीईओ डॉ. महेंद्र प्रताप तिवारी से की गई है। इस मांग को लेकर शिक्षक संघ ने ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि मंगलवार से शुरू हुई 12वीं की शेष परीक्षाओं में सैकड़ों अध्यापक कार्य में लगे हैं। इनका शासन ने बीमा तक नहीं कराया है। वर्तमान में कोरोना संक्रमण को देखते हुए यदि किसी अध्यापक के साथ घटना घटित होती है तो जवाबदेही शासन की होगी।

विद्यार्थी और व्यापारी, अब इम्तिहान की बारी

इंदौर | इंदौर रेड जोन में होने के कारण यहां धीरे-धीरे सेवाएं शुरू हो रही हैं। अनलॉक 1.0 में बाजार, कारोबार के बाद मंगलवार से एमपी बोर्ड कक्षा 12वीं के शेष बचे पेपर भी शुरू हो गए, लेकिन सभी को नए-नए इम्तिहान से गुजरना पड़ रहा है। जहां बस में धक्का लगाने से बच्चों की परीक्षा की शुरुआत हुई तो लोहा मंडी में लॉकडाउन के बाद सबसे लंबा ट्रैफिक जाम लगा।

बस में धक्का लगाने से हुई 12वीं के बचे पेपरों की शुरुआत, जांच के बाद मिली बच्चों को एंट्री

परदेशीपुरा क्षेत्र में इस बस का सेल्फ काम नहीं कर रहा था, धक्का लगाकर उसे चालू करना पड़ा।

परदेशीपुरा में खराब हुई बस, सेल्फ नहीं कर रहा था काम

परदेशीपुरा क्षेत्र के कंटेनमेंट एरिया के लगभग 200 छात्रों को सेंटरों तक पहुंचाने के लिए 6 बसों व 6 शिक्षकों की व्यवस्था थी। 6 में से एक बस का सेल्फ काम नहीं कर रहा था। ड्राइवर ने सोचा बस को चालू रखा जाए। इसके लिए बाकी की बसों के ड्राइवर और कंडक्टरों ने धक्का लगाकर चालू की।

परीक्षा केंद्रों से

विश्वनाथ सिंह

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बची हुई 12वीं की परीक्षा मंगलवार से शुरू हुई। गणित और भूगोल के पेपर दो सत्रों सुबह और दोपहर में हुए। इस परीक्षा के लिए इंदौर में बनाए गए कुल 143 केंद्र व उपकेंद्रों में कुल 4 लाख के करीब छात्र शामिल हुए। कंटेनमेंट एरिया से छात्रों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाए जाने को लेकर प्रशासन की ओर से 80 बसों की व्यवस्था की गई थी। प्रत्येक बस में एक-एक शिक्षक की ड्यूटी लगाई गई थी। इस व्यवस्था की छात्रों को सूचना ही नहीं मिल पाई और उसके कारण कुछ बसें तो खाली ही रवाना हुईं।

स्क्रीनिंग के बाद मिला प्रवेश

12वीं बोर्ड का गणित और भूगोल का पेपर छात्रों ने सैनिटाइजर का उपयोग कर सोशल डिस्टेंसिंग के साथ पूरा किया। कंटेनमेंट एरिया में आने वाले 12 परीक्षा केंद्रों को बदलकर नए केंद्र बनाए गए। बच्चे पहुंचे तो उन्हें सोशल डिस्टेंसिंग के गोले में खड़ा किया फिर स्क्रीनिंग के बाद प्रवेश मिला।

सैनिटाइज करके दी कॉपियां

रूम में पहुंचने के बाद छात्रों ने साथ लाए सैनिटाइज से अपने बैठने व छूने की जगह को भी सैनिटाइज किया। शिक्षकों ने कॉपियां और पेपर भी सैनिटाइज करके दिए।

प्रवेश से पहले हाथ धुलवाएं।

फिर तापमान किया चेक।

80 बसों की व्यवस्था, लेकिन छात्रों को जानकारी ही नहीं थी

शिक्षा विभाग के साथ मिलकर प्रशासन ने कंटेनमेंट एरिया के छात्रों के लिए 80 बसों की व्यवस्था की थी। ये बसें छात्रों को सेंटर तक लाने-ले जाने का काम करतीं। शहर के अधिकतर कंटेनमेंट एरिया के छात्रों को इसके संबंध में जानकारी ही नहीं मिल पाई।

कंटेनमेंट एरिया वाले छात्रों को अलग कमरे में बैठाया

शहर के कंटेनमेंट एरिया से आने वाले छात्रों की बैठक व्यवस्था अलग कमरे में की गई। इसमें ड्यूटी करने वाले शिक्षक लंबे समय से पीपीई किट की मांग कर रहे थे, लेकिन वह पूरी नहीं हो सकी। इस पर शिक्षकों ने मास्क, ग्लव्ज और हैड कैप के साथ ओवरकोट में ड्यूटी की।

आज से खुलेंगे नवोदय स्कूल, 15 जून से ऑनलाइन क्लासेस

इंदौर | नवोदय स्कूल बुधवार से खोले जाएंगे। नवोदय विद्यालय समिति के संयुक्त कमिश्नर जी अरमुगम द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि जिन शिक्षकों ने 10 अप्रैल से पहले स्कूल परिसर को छुट्टी पर जाने के लिए छोड़ दिया था, उन्हें 10 जून को स्कूल में रिपोर्ट करना है। जो स्कूल क्वारेंटाइन सेंटरों में हैं उनकी रिपोर्ट दें। सभी नवोदय स्कूलों में 15 जून से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कर दी जाएंगी।

दिव्यांग व क्वारेंटाइन छात्रों के लिए अलग से होगी परीक्षा

इंदौर | 12वीं की बोर्ड परीक्षा में कई छात्र ऐसे भी हैं जो शामिल नहीं हो पाए हैं। उनके लिए मंडल अलग से परीक्षा कराएगा। इस परीक्षा में शामिल होने का मौका दिव्यांग छात्रों को भी मिलेगा। मंडल सचिव ने आदेश में कहा है कि कुछ जिलों में ऐसे छात्र हैं, जिनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। कुछ ऐसे छात्र भी हैं जिनकी रिपोर्ट निगेटिव है पर क्वारेंटाइन अवधि पूरी नहीं हुई है। उनकी अलग से परीक्षाएं कराएंगे।

लॉकडाउन के बाद नई लोहामंडी में सबसे बड़ा जाम, छह घंटे फंसे वाहन

प्रशासन ने नई लोहा मंडी में व्यापार करने के लिए अनुमति तो दे दी, पर व्यवस्था कुछ नहीं की, दोपहर 12.30 बजे से जाम लगा, शाम 6.30 बजे तक चलता रहा

बड़े वाहनों के कारण छोटे वाहन चालक भी घंटों ट्रैफिक जाम में फंसे रहे, निकलने के लिए उन्हें काफी मशक्कत करना पड़ी।

नई लोहा मंडी से

दीपेश शर्मा

ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए लोहा मंडी के 323 व्यापारियों को नई लोहा मंडी में शिफ्ट किया गया। पर अनलॉक के बाद से लोहामंडी में ट्रैफिक निरंकुश हो चुका है। पुरानी मंडी से लोहा व्यापारियों के साथ ही ट्रांसपोर्टर भी काम कर रहे हैं। मंगलवार दोपहर 12.30 बजे से यहां जाम लगा और शाम 6.30 बजे तक वाहन रेंगते रहे।

व्यापारियों ने बताया कि अनलॉक होने के बाद से लोहा मंडी में आए दिन ट्रैफिक जाम हो रहा है। पहले तो कुछ घंटे ही वाहन फंसते थे, लेकिन आज तो हद हो गई। इसका असर लोहा मंडी की सभी गलियों में नजर आया। हर तरफ वाहन गुत्थमगुत्था हो रहे थे। इसी ट्रैफिक जाम के कारण यहां से 323 लोहा व्यापारियों को प्रशासन ने स्कीम 78 स्थित नई लोहा मंडी में शिफ्ट किया था। लॉकडाउन के बाद से न सिर्फ लोहा व्यापारी, बल्कि ट्रांसपोर्टर भी यहीं से सारा व्यापार कर रहे हैं। इससे यह स्थिति बन रही है। पुलिस यहां ट्रैफिक संभालने के लिए एक बार भी नहीं आई, बल्कि पुलिस और नगर निगम की गाड़ियां भी जाम में फंस रही हैं।

भारी वाहनों पर लगाया था प्रतिबंध, लेकिन पालन नहीं

पूर्व संभागायुक्त आकाश त्रिपाठी ने यहां से व्यापारियों को शिफ्ट करने के बाद भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगाया था। अनलॉक के बाद से यह सारे प्रतिबंध शिथिल कर दिए गए। इसका नतीजा यह कि व्यापारी कारोबार ही नहीं कर पा रहे हैं। नई लोहा मंडी में व्यापार करने के लिए छूट मिले एक हफ्ते से ज्यादा हो गया, लेकिन ऐसा कोई दिन नहीं है जब यहां पर ट्रैफिक जाम नहीं हुआ हो।

13 साल बाद प्रमोशन रद्द करने का आदेश हाई कोर्ट ने किया खारिज

कर्मचारी की तरफ से कोर्ट में दलील- सेवा शर्त में जिक्र नहीं कि टाइपिंग बंद होने पर कम्प्यूटर परीक्षा पास करना होगी

राहुल दुबे | इंदौर

मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सरकारी कर्मचारियों के प्रमोशन को लेकर एक फैसला दिया है जो नजीर भी बन सकता है। एक कर्मचारी को 2007 में ग्रेड-2 का प्रमोशन दिया गया। 13 साल बाद यानी 2020 में यह कहते हुए उसका प्रमोशन रद्द कर दिया कि उसने टाइपिंग परीक्षा पास नहीं की। यहां दिलचस्प यह है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल ने टाइपिंग परीक्षा लेना 2013 में ही बंद कर दिया है। मामला हाई कोर्ट पहुंचा तो कर्मचारी की याचिका स्वीकार करते हुए हाई कोर्ट ने प्रमोशन यथावत रखने के आदेश दिए हैं। सरकारी कर्मचारी बाबूलाल वर्मा को सहायक ग्रेड- 3 से सहायक ग्रेड- 2 का प्रमोशन 2007 में मिला था। कुछ समय बाद उनका डिमोशन कर दिया गया। इसके पीछे तर्क यह दिया था कि उन्होंने टाइपिंग परीक्षा नहीं दी। उसका प्रमाण पत्र नहीं दिया। इस पर कर्मचारी ने अधिवक्ता आनंद अग्रवाल के जरिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की। इसमें कहा कि उनकी उम्र अब 45 साल पार हो चुकी है। सर्विस रूल्स के मुताबिक इस उम्र को पार कर चुके कर्मचारी को किसी तरह की परीक्षा देने की जरूरत नहीं है। टाइपिंग परीक्षा लेना माशिमं ने बंद कर दिया है। रही बात कम्प्यूटर चलाने की तो कर्मचारी की सेवा शर्तों में इसका उल्लेख नहीं है कि टाइपिंग बंद होने पर कम्प्यूटर चलाने की परीक्षा पास कर प्रमाण पत्र देना होगा। प्रमोशन मिले 13 साल हो गए। उसके बाद निरस्त किया जाना गलत है। वहीं शासन ने विरोध में कहा- टाइपिंग परीक्षा पास नहीं किए जाने की जानकारी जब पता चली, तब फैसला लिया गया। कर्मचारी को इसकी जानकारी थी, लेकिन 2007 में भी उसने परीक्षा नहीं दी। हाई कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कर्मचारी के पक्ष में फैसला दिया।

जब तक कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन उपलब्ध नहीं हो, स्कूल नहीं लगें; फीस में भी छूट दी जाएं

पूर्व निमाड़ पालक संघ ने सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा।

खंडवा | स्कूल में अध्ययनरत बालक एवं बालिकाएं कम आयु के होकर स्वयं के प्रति संक्रमण से सुरक्षा के लिए योग्य नहीं है। स्कूल तथा कक्षाओं में छात्र-छात्राओं की संख्या एवं कक्षा के आकार तथा बैठक व्यवस्था में टेबल कुर्सी एवं बैंच की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए स्कूलों में सोशल डिस्टेंसिंग होना संभव नहीं है। यह बात मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए पूर्व निमाड़ पालक संघ पदाधिकारियों ने कही। जब तक कोरोना महामारी से बचाव का वैक्सीन उपलब्ध नहीं हो जाता तब तक स्कूल एवं शैक्षणिक संस्थाओं को प्रारंभ नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही फीस या किसी भी प्रकार का कोई शुल्क भी छात्र-छात्रा से अथवा उनके पालक से नहीं लिया जाने का अनुरोध किया। ज्ञापन सौंपते समय हितेश कुमार भावसार, प्रदीप जैन, प्रतीक जैन, रूपांशु जैन, अनुराग सोनी, रोशन सैफी उपस्थित थे। इस अवसर पर मिशन ग्रीन एवं खंडवा की आवाज के सदस्यों ने भी उपस्थित होकर डिप्टी कलेक्टर अशोक जाधव को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा।

तीन जिलों के 29 विद्यार्थियों ने हरसूद में दी परीक्षा, हाथ धुलाने के बाद दिया प्रवेश

हरसूद | कोरोना संक्रमण के कारण स्थगित हायर सेकंडरी परीक्षा मंगलवार से आरंभ हुई। परीक्षार्थियों को एक घंटा पहले बुलाया गया। उनके हाथ धुलाने के बाद स्क्रीनिंग कर कक्षा में प्रवेश दिया गया। उत्कृष्ट विद्यालय, कन्या शाला, मॉडल स्कूल, छनेरा हाईस्कूल (चार) केंद्रों पर दो शिफ्ट में सुबह 9 से 12 व दोपहर 2 से 5 बजे तक रसायन व भूगोल के प्रश्न पत्र क्रमशः 190 व 314 विद्यार्थियों ने हल किए। पहले दिन उत्कृष्ट विद्यालय व कन्या शाला केंद्र पर 29 ऐसे विद्यार्थियों ने परीक्षा दी जो अन्य सेंटरों से आए हैं। उत्कृष्ट में 15 छात्र व 12 छात्राएं इंदौर के पीसी मेमोरियल, बीएमएचएस नंदानगर, इंदौर एकेडमी हायर सेकंडरी स्कूल के शामिल हुए। जबकि कन्याशाला में विदिशा व हरदा केंद्र के दो बच्चे शामिल हुए।

आते-जाते समय हाथ किए सैनिटाइज

सहेजला | हायर सेकंडरी स्कूल सहेजला में मंगलवार को 12वीं का भूगोल का प्रश्न पत्र था। परीक्षार्थियों क हाथ सैनिटाइज व थर्मल स्क्रीनिंग कर कक्षा में प्रवेश दिया गया। प्राचार्य आरएस सोलंकी ने बताया परीक्षा से पहले पूरे स्कूल भवन में सैनिटाइजर का छिड़काव कराया गया है।

बच्चों के प्रवेश और निकासी के समय उनके साथ भी सैनिटाइज किए गए।

कार्यालय कलेक्टर, जिला शाजापुर (म.प्र.)

फोन (07364) 226500 (O) 228600 (R)
Email:dmshajapur@mp.nic.in

क्रमांक/स्थापना/2020/301-302 शाजापुर दिनांक 04/07/2020

कार्यालय सहायक सह डाटा एण्ट्री आपरेटर (संविदा) पदों की पूर्ति हेतु विज्ञप्ति

कार्यालय कलेक्टर जिला शाजापुर के-पत्र क्रमांक/स्थापना/2020/161 दिनांक 07-03-2020 द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति के अनुसार जिला शाजापुर में लोक सेवा प्रबंधन के अन्तर्गत कार्यालय सहायक सह डाटा एन्ट्री आपरेटर (संविदा) के 03 रिक्त पदों की पूर्ति हेतु दिनांक 17-03-2020 से 31-03-2020 तक एम.पी.ऑन लाईन पोर्टल www.mponline.gov.in पर ऑन लाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे।

नोवेल कोरोना वायरस (COVID-19) से जनित बीमारी के सक्रमण से बचाव हेतु संपूर्ण भारत में लॉकडाउन प्रारंभ हो जाने तथा MPonline Portal की सेवाओं के वार्षिक मेंटेनेंस के कारण ऑनलाईन सेवाए बंद रहने के कारण दिनांक 29 मार्च 2020 को प्रातः 08.00 बजे तक ही ऑन लाईन आवेदन पत्र लिये जा सके थे। शेष 03 दिवस अवधि में आवेदन पत्र नही लिये जा सके थे।

अतः शेष रही 03 दिवस की अवधि के लिये पुनः ऑनलाईन आवेदन पत्र प्राप्त किये जाने के लिये दिनांक 10, 11 एवं 12 जून 2020 नियत की गयी है। उक्त दिनांको में म.प्र. के मूल निवासी जो इन पदों हेतु निर्धारित अर्हताए रखते हो, आवेदन कर सकते है।

आवेदन का प्रारूप एवं शर्तें कार्यालय कलेक्टर जिला शाजापुर के पत्र क्रमांक/स्थापना/2020/161 दिनांक 07-03-2020 द्वारा पूर्व में जारी की गई विज्ञप्ति के अनुसार पूर्ववत रहेगी जो कलेक्टर जिला शाजापुर की वेवसाईट www.shajapur.nic.in पर तथा www.mponline.gov.in पर उपलब्ध है।

ऑनलाईन आवेदन दिनांक 10-06-2020 से दिनांक 12-06-2020 तक किया जा सकता है।

कलेक्टर

जी-11742/20 जिला शाजापुर (म.प्र.)

दूसरी शिफ्ट में मात्र एक छात्रा ने दी परीक्षा

पुनासा | कोरोना संक्रमण को देखते हुए सरकार ने जो जहां से उसे वहीं परीक्षा देने की सुविधा प्रदान की है। इसका लाभ पुनासा केंद्र पर खरगोन, इंदौर, बुरहानपुर व देवास जिले के परीक्षार्थियों ने लिया। केंद्राध्यक्ष आरसी शुक्ला ने बताया बाहरी जिलों से आए परीक्षार्थियों के साथ सभी का संक्रमण से बचाव का विशेष ध्यान रखा गया। केंद्र पर थर्मल स्क्रीनिंग के साथ हाथ धोने का पानी व सैनिटाइजर रखा गया था। उन्होंने बताया दूसरी शिफ्ट में मात्र एक छात्रा ने परीक्षा दी। इसने सेंटर परिवर्तन कर पुनासा में परीक्षा दी। कुल 70 में से 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

छात्राएं झिझकीं, क्वारेंटाइन सेंटर में कैसे दें परीक्षा

बीड़ | परीक्षा समय से एक घंटे पहले 8 बजे छात्राएं केंद्र पहुंच गई थी। इस स्कूल को बाहर से आने वालों के लिए क्वारेंटाइन सेंटर बनाया गया था। इस कारण छात्राएं झिझक रही थीं। शिक्षक-शिक्षकाओं के पास पहुंच उन्होंने अपनी आशंका व्यक्त की। शिक्षकों समझाया कि यहां बाहरी लोग रुके जरूर थे लेकिन किसी को भी कोरोना संक्रमण नहीं था। इसके बावजूद सभी कक्षों की धुलाई कर सैनिटाइजर का छिड़काव कराया गया है। आप निश्चिंत होकर परीक्षा दें। इसके बाद सभी छात्राओं की थर्मल स्क्रीनिंग कर हाथ धुलवाए गए। सभी ने मास्क पहन रखे थे।

CBSE ने जारी किए 23 सबसे ज्यादा पूछे जाने वाले सवाल

सिटी रिपोर्टर | सीबीएसई 10वीं-12वीं के बचे हुए पेपर 1 जुलाई से होंगे। लॉकडाउन और कई नए निर्देशों के कारण स्टूडेंट्स, टीचर्स और पेरेंट्स के मन में कई सवाल हैं। हेल्पलाइन नंबर्स पर रोज सैकड़ों कॉल आ रहे हैं। इसलिए सीबीएसई ने एफएक्यू यानी फ्रीक्वेंट्ली आस्कड क्वेश्चंस की एक लिस्ट जारी की है। इसमें 23 ऐसे सवाल हैं जो हर शहर, हर रीजन के हेल्पलाइन नंबर्स पर पूछे जा रहे हैं। इन सवालों के जवाब इस फेहरिस्त में जारी किए गए हैं। जैसे नंबर्स सिटी में बदलाव कैसे कर सकते हैं। क्या एग्ज़ाम पैटर्न में कोई बदलाव है। सिटी में ही सेंटर चेंज के लिए एप्लाय कर सकते हैं क्या? बोर्ड ने यह स्पष्ट कर दिया है एक ही डिस्ट्रिक्ट में सेंटर चेंज नहीं किया जाएगा। इस लिंक पर पढ़ें FAQ : cbse.nic.in/newsite/attach/Latest%20FAQ

एग्ज़ाम सेंटर, पेपर पैटर्न से जुड़ा हर सवाल है इस FAQ लिस्ट में

1 जुलाई से शुरू होगी एग्ज़ाम

सुरक्षा के मद्देनजर सख्त दिशा-निर्देश तैयार किए जा रहे हैं। MHRD ने CBSE 10वीं-12वीं बोर्ड एग्जाम रिजल्ट 2020 और कोरोना के माहौल में स्कूल खोलने को लेकर भी जानकारी दी हैं। बचे हुए पेपर्स जुलाई से होंगे।

प्रश्नपत्र तो आसान था, कोरोना के 'टेस्ट' से घबरा गए विद्यार्थी

कंटेनमेंट क्षेत्र के छात्रों को लेने आया प्रशासन का वाहन

भास्कर संवाददाता | खंडवा

प्रश्नपत्र हल करने के एक घंटे पहले परीक्षार्थियों ने कोरोना की परीक्षा पास की। थर्मल स्क्रीनिंग कराई, मुंह पर मास्क पहना तब परीक्षा हाल में प्रवेश मिला। यहां विद्यार्थी सोशल डिस्टेंस के साथ एक मीटर की दूरी पर बैठे और परीक्षा दी। थर्मल स्क्रीनिंग के समय तो उनमें घबराहट थी, जब प्रश्नपत्र हाथ में आया तो वे खुश हो गए। क्योंकि सरल प्रश्नों वाला प्रश्नपत्र 2 घंटे में हल हो गया।

प्रवेश से पहले छात्रा की स्क्रीनिंग की गई।

सरल आए प्रश्नपत्र : दो घंटे में ही कर दिए हल

रसायन शास्त्रः कंटेनमेंट क्षेत्र सिंधी कॉलोनी की छात्रा पलक नागपाल ने बताया लग रहा था प्रश्नपत्र कठिन आएगा, लेकिन इतना सरल आया कि 2 घंटे में ही हल हो गया।

- चंदा हर्जपाल ने बताया लॉकडाउन में कम पढ़ाई की थी, डर था कि प्रश्नपत्र कठिन होगा। प्रश्नपत्र सरल होने से सारे प्रश्न आसानी से हल हो गए।

भूगोलः प्राइवेट परीक्षा दे रही पायल फूलमाली ने बताया लॉकडाउन में पढ़ाई का दबाव था। परीक्षा से पहले डर था लेकिन प्रश्नपत्र देखकर डर दूर हो गया।

- प्रतीक्षा थिटे ने बताया तीन घंटे का प्रश्नपत्र था। सरल प्रश्नपत्र होने से मैंने उसे दो घंटे में हल कर लिया।

सोशल डिस्टेंस के साथ ऐसे हुआ पहला पेपर

- शिक्षा विभाग की टीमें मंगलवार सुबह 7 बजे कंटेनमेंट क्षेत्रों में रहने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए वाहन लेकर पहुंची।
- कंटेनमेंट क्षेत्र से जाने वाले विद्यार्थियों के नाम, मोबाइल नंबर पुलिस ने रजिस्टर में दर्ज किए।
- परीक्षा के पहले परीक्षा केंद्र, कक्ष व हॉल सैनिटाइज किए गए।
- परीक्षा केंद्र के बाहर परीक्षार्थियों के हाथ सैनिटाइज किए, थर्मल स्क्रीनिंग हुई।
- एक बैंच पर एक परीक्षार्थियों को एक-एक मीटर की दूरी पर बैठाया गया।
- रसायन शास्त्र के प्रश्नपत्र में दर्ज 3379 में 3301 व भूगोल में 1647 में से 1586 परीक्षार्थी उपस्थित हुए।

इस साल कॉलेज में 2 से 3 महीने पिछड़ेगा शिक्षा सत्र

भास्कर संवाददाता | सागर

कोरोना संक्रमण से इस साल कॉलेज और विश्वविद्यालयों में शिक्षा सत्र 2 से 3 महीने की देरी से शुरू होगा। इसका सीधा असर अगले सत्र पर भी पड़ेगा। कॉलेज और विश्वविद्यालय में कक्षाएं शुरू करने को लेकर लगातार असमंजस की स्थिति बन रही थी, जिसके बाद उच्च शिक्षा विभाग ने पत्र जारी कर स्थिति स्पष्ट कर दी है।

इसमें 1 सितंबर और 1 अक्टूबर से नया सत्र शुरू करने के शुरू करने का उल्लेख किया गया है। सत्र 2020-21 दो से तीन महीने की देरी से शुरू होगा, जिसके कारण एक बड़ा सवाल यह भी है कि अकादमिक व्यवस्थाओं और अगले सत्र को पटरी पर कैसे लाया जाएगा।

उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव वीरन सिंह भलावी ने सभी कुलसचिव और सभी कॉलेज के प्राचार्य को इस संबंध में पत्र भेजा है, जिसके अनुसार स्नातक कक्षाओं के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष/सेमेस्टर और स्नातकोत्तर कक्षाओं के द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रवेश देकर 1 सितंबर से नया सत्र शुरू किया जाएगा। वहीं स्नातक कक्षाओं/पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष और स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का नया सत्र 1 अक्टूबर से शुरू होगा।

12वीं की परीक्षा • सिर्फ बीना में 3 छात्रों का टेंप्रेचर ज्यादा मिला, आइसोलेशन कक्ष में दिलाया पेपर

पर्चे से पहले देना पड़ा कोरोना का टेस्ट, सर्चिंग की जगह स्क्रीनिंग और डिस्टेंसिंग पर रहा जोर

भास्कर संवददाता | सागर

कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे के बीच पूरे सुरक्षा इंतजामों के साथ मंगलवार से कक्षा 12वीं के शेष रह गए विषयों की परीक्षा शुरू हो गई। पहले दिन सुबह की पाली में केमिस्ट्री तथा दोपहर की पाली में भूगोल विषय का पेपर था। परीक्षा के दौरान शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों में कोरोना का भय नजर आया।

यह पहली परीक्षा थी जब विद्यार्थियों की सर्चिंग तक नहीं हुई। स्क्रीनिंग और सोशल डिस्टेंसिंग पर जोर रहा। उन्हें गाइडलाइन के अनुसार जांच के बाद सीधे परीक्षा केंद्रों में भेज दिया गया। हालांकि सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण रही। बुधवार को सुबह 9 बजे से बुक कीपिंग एंड अकाउंटेंसी तथा दोपहर 2 बजे वोकेशनल कोर्स का पहला पेपर होगा।

जिले के सभी केंद्रों पर विद्यार्थियों को सैनिटाइज किया जा रहा था। वहीं थर्मल स्क्रीनिंग के दौरान सिर्फ बीना में 3 छात्रों का टेंप्रेचर अधिक होने से आइसोलेशन कक्ष में परीक्षा दिलाई गई। वहीं बाकी ब्लॉकों में किसी भी केंद्र पर बीमार, बुखार, सर्दी से पीड़ित कोई विद्यार्थी सामने नहीं आया। जिले के 112 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 9 बजे से केमिस्ट्री विषय का पेपर था। जबकि दोपहर 2 बजे से भूगोल की परीक्षा थी। परीक्षा में विद्यार्थियों के लिए एक घंटे पहले रिपोर्टिंग टाइम रखा गया है। शहर के एक्सीलेंस, एमएलबी और जैन हाई परीक्षा केंद्र पर दोपहर 1 बजे से विद्यार्थियों को मेनगेट से प्रवेश की अनुमति दी गई। तीनों ही स्कूलों में विद्यार्थियों के हाथ सैनिटाइज कराने के लिए केंद्राध्यक्षों ने प्यून की ड्यूटी लगाई थी।

सोशल डिस्पेंसिंग के तहत कतार में मास्क लगाए खड़े विद्यार्थियों के प्रवेश द्वार पर ही हाथ सैनिटाइज कराए गए। इसके बाद अंदर हो रही थर्मल स्क्रीनिंग के काउंटर पर भेज दिया गया। यहां टेंप्रेचर की जांच परीक्षा ड्यूटी में लगे शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संबंधित कमरे में भेज दिया। पूरी प्रक्रिया के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन किया गया। इसके अलावा जिलेभर के केंद्रों पर कई सामाजिक संस्थाओं ने छात्रों को मास्क बांटे।

एक्सीलेंस स्कूल में विद्यार्थियों की स्क्रीनिंग और सैनिटाइजेशन सोशल डिस्टेंड से साथ किया गया।

ज्यादातर केंद्र शाम को ही सैनिटाइज

परीक्षा के दौरान हर पेपर के बाद केंद्र को सैनिटाइज किया जा रहा है। डीईओ डॉ. महेंद्र प्रताप तिवारी ने बताया कि जिले के ज्यादातर केंद्रों को भूगोल का पेपर खत्म होने के बाद ही सैनिटाइज कर दिया गया। ताकि बुधवार सुबह 9 बजे होने वाले बुक कीपिंग एंड अकाउंटेंसी के प्रश्न-पत्र में परेशानी नहीं जाए।

कलेक्टर ने परखे परीक्षा केंद्र, जताया संतोष

कलेक्टर दीपक सिंह ने परीक्षा के पहले दिन जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. महेंद्र प्रताप तिवारी के साथ परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। केंद्रों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजामों तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन देखकर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थी निडर होकर परीक्षा दें। उनकी सुरक्षा के लिए केंद्रों पर हर तरह की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं द्वारा उपयोग किए गए पानी के डिस्पोजल गिलास को नष्ट कराने के निर्देश डीईओ को दिए। साथ ही विद्यार्थियों को पानी अपने घर से ही लाने के लिए प्रेरित करने को कहा।

18938 को देनी थी परीक्षा, आए 18743, 195 रहे गैरहाजिर

पेपर	कुल परीक्षार्थी	उपस्थित	गैरहाजिर
केमिस्ट्री	8748	8640	108
भूगोल	10190	10103	87
कुल योग	18938	18743	195

स्कूलों का न्यू नॉर्मल • स्कूल खुलने के बाद क्या बदलेगा, इस पर एनसीईआरटी ने केंद्र सरकार को गाइडलाइन का ड्राफ्ट सौंपा

बच्चे ऑड-ईवन के आधार पर हफ्ते में 3-3 दिन स्कूल आएंगे

दो शिफ्टों में भी बुलाए जा सकते हैं, कमरे के बजाय खुले में पढ़ाई हो तो बेहतर, मॉर्निंग असेंबली नहीं

अमित कुमार निरंजन | नई दिल्ली

एनसीईआरटी ने स्कूल खोलने की तैयारियों को लेकर सरकार को गाइडलाइन का ड्राफ्ट सौंप दिया है। इसके अनुसार, स्कूल खुलने के बाद एक कक्षा के बच्चों को एक साथ स्कूल नहीं बुलाया जाएगा। इसके लिए रोलनंबर के आधार पर ऑड-ईवन फॉर्मूला लागू किया जाएगा या फिर दो शिफ्टों में कक्षाएं लगेंगी। बच्चों के स्कूल पहुंचने के समय में भी कक्षाओं के हिसाब से 10-10 मिनट का अंतराल होगा। ड्राफ्ट में यह भी कहा गया है कि कक्षाओं में पढ़ाई के दौरान डिस्टेंसिंग बनाए रखना मुश्किल होगा। ऐसे में बच्चों को यदि खुले मैदान में कक्षाएं लगाकर पढ़ाया जो तो बेहतर होगा।

स्कूल बस में एक सीट पर एक ही बच्चा बैठाने का सुझाव

ट्रांसपोर्ट को लेकर जल्द ही विस्तृत गाइडलाइन जारी होगी। फिलहाल सरकार को एक सीट पर एक ही बच्चे को बैठाने का सुझाव दिया गया है।

गाइडलाइन : मौसम खराब तो कक्षा का एसी बंद रखना होगा

स्कूल खोलने के 6 चरण...

- **पहला चरण**- 11वीं-12वीं की कक्षाएं शुरू होंगी।
- **1 हफ्ते बाद**- 9वीं-10वीं की कक्षाएं शुरू होंगी।
- **2 हफ्ते बाद**- 6वीं से 8वीं तक कक्षाएं शुरू होंगी
- **3 हफ्ते बाद**- तीसरी से 5वीं तक शुरू होंगी।
- **4 हफ्ते बाद**- पहली-दूसरी की कक्षाएं शुरू होंगी
- **5 हफ्ते बाद**- अभिभावकों की सहमति से ही नर्सरी-केजी की कक्षाएं शुरू की जा सकेंगी।

लेकिन, कंटेनमेंट जोन के स्कूल तब तक बंद ही रहेंगे, जब तक इलाका ग्रीन जोन नहीं बन जाता।

अभिभावक: फ्रंटलाइन पर हैं तो बताना होगा

- जो अभिभावक चिकित्सा, सुरक्षा या सफाई के कामों से जुड़े हैं, उन्हें इसके बारे में स्कूल को पहले ही सूचित करना होगा।
- शिक्षकों से वही मिल सकेंगे, जो फोन पर संपर्क नहीं कर सकते।
- पीटीएम नहीं होगी, हर 15 दिन में स्कूल से बच्चे की प्रोग्रेस रिपोर्ट पर बात कर सकते हैं।

स्कूल: क्लास में बच्चों के बीच 6 फीट की दूरी जरूरी

- क्लास रूम में 30 या 35 बच्चे ही बिठाए जा सकेंगे। छात्रों के बीच 6 फीट की दूरी जरूरी होगी।
- क्लासरूम में एसी नहीं चलेंगे। दरवाजे-खिड़कियां खुली रहेंगी।
- छात्रों को ऑड-ईवन के आधार पर बुलाना होगा। लेकिन, होम असाइनमेंट रोज देना होगा।
- डेस्क पर नाम लिखा होगा, ताकि बच्चे रोज एक ही जगह बैठ सकें।
- हर 15 दिन में बच्चे की प्रोग्रेस पर अभिभावकों से बात करनी होगी।
- प्रबंधन सुनिश्चित करेगा कि कमरे रोज सैनिटाइज हो रहे हैं।
- आयोजन नहीं होंगे। जैसे मॉर्निंग एसेंबली और वार्षिकोत्सव आदि।
- स्कूल के बाहर किसी भी तरह के खाने-पीने के स्टाल नहीं लगेंगे।
- स्टाफ और छात्रों के प्रवेश करने से पहले स्क्रीनिंग अनिवार्य होगी।

बच्चे: कॉपी, पेन, पेंसिल, खाना शेयर नहीं कर सकेंगे

- हर बच्चे के लिए मास्क जरूरी।
- छात्र कॉपी, पेन, पेंसिल, इरेजर आदि शेयर नहीं कर सकेंगे।
- छात्र पानी साथ लाएंगे। खाना किसी से शेयर नहीं कर सकेंगे।
- जो छात्र स्कूल में सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान नहीं रखेंगे, उनके अभिभावकों को सूचित किया जाएगा।

हॉस्टल: 6-6 फीट की दूरी पर बेड लगाने होंगे

क्षमता के 33% छात्र हॉस्टल में रहेंगे। बेड 6-6 फीट की दूरी पर लगेंगे। यहां रहने वाले बच्चों के बाजार जाने पर प्रतिबंध रहेगा। इनपुट: शरद पाण्डेय